रूट और कॉरिडोर सर्वे इस तरह होगा

परियोजना के तहत रूट और कॉरिडोर सर्वे होगा। इसके जरिए पता लगाया जाएगा कि मेट्रो किन-किन इलाकों से गुजरेगी और स्टेशन कहां-कहां बनाए जाएंगे। एलिवेटेड (ऊपर) या अंडरग्राउंड (भूमिगत) मेट्रो होगी? यह चरण शहर के भविष्य के विस्तार को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसके साथ ही तकनीकी सर्वे भी किया जाता है। इसमें जमीन की स्थिति, नदी, नाले, रेलवे क्रॉसिंग जैसी बाधाएं, पुल, सुरंग, स्टेशन निर्माण की संभावनाएं, इससे निर्माण की तकनीकी जटिलताओं और लागत का अंदाजा लगाया जाता है।

हरिभूमि
रायपुर भूमि

- एससीआर प्राधिकरण ने किया है सर्वे के लिए अनुमोदन
- एजेंसियां तय करने अब जारी होंगे टेंडर

पटरी पर आ रहा मेट्रो ट्रेन का सपना, एजेंसियां तय करेंगी, कहां से कहां तक और कैसे चलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में मेट्रो ट्रेन चलाने का सपना अब जल्दी ही पटरी पर आने वाला है। राज्य सरकार की इस अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए स्टेट कैपिटल रीजन प्राधिकरण ने मेट्रो के लिए फिजिबिलिटी स्टडी के लिए कंपनी हायर करने कंसल्टेंट एजेंसी नियुक्त करने का अनुमोदन किया है। यही नहीं, एक और एजेंसी यह सर्वे करेगी ⏭ शेष पेज 11 पर

सबसे पहले होगा फिजिबिलिटी सर्वे

राज्य सरकार ने रायपुर-दुर्ग मेट्रो रेल परियोजना को सिद्धांततः मंजूरी दे दी है। इसके लिए वर्ष 2024-25 के पिछले बजट में प्रारंभिक तौर पर लगभग 5 करोड़ रुपए का प्रावधान कर चुकी है। अब मेट्रो के लिए व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) सर्वे कराया जाएगा। यह मेट्रो कॉरिडोर रायपुर, नवा रायपुर अटलनगर और भिलाई-दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। परियोजना का ⏭ शेष पेज 11 पर

इस मॉडल पर बनेगी परियोजना

बताया जा रहा है कि इस पूरी योजना को दिल्ली-एनसीआर मॉडल की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है, जिसमें परिवहन के साथ-साथ आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास को भी एक साथ बढ़ावा दिया जाएगा। परियोजना के संचालन और समन्वय के लिए कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने काम करना शुरू कर दिया है। ⏭ शेष पेज 11 पर

कैसे होता है फिजिबिलिटी सर्वेक्षण?

किसी भी बड़ी परियोजना का अहम हिस्सा है फिजिबिलिटी सर्वे, इसके तहत बहुत से काम किए जाएंगे। यह काम कंसल्टेंट एजेंसी के जिम्मे होता है। इसके तहत सबसे पहले कंसल्टेंट एजेंसी संबंधित क्षेत्र का बेसिक डाटा जुटाती है, जैसे आबादी और भविष्य की जनसंख्या वृद्धि, वर्तमान यातायात (ट्रैफिक वॉल्यूम) सड़क, बस, रेल जैसी मौजूदा परिवहन व्यवस्था, औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां की जानकारी ली जाती है। यह भी अनुमान लगाया जाता है कि रोजाना कितने लोग मेट्रो का उपयोग करेंगे। पीकऑवर (सुबह-शाम) में कितना दबाव रहेगा, किन रूट्स पर सबसे ज्यादा मांग है। इसी आधार पर तय होता है कि मेट्रो आर्थिक रूप से टिकाऊ होगी या नहीं।

नवरात्रि विशेष

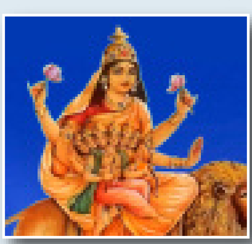

पंचमी: स्कंदमाता

देवी मां का पांचवा स्वरूप स्कंदमाता का है। स्कंदमाता को ही महेश्वरी, गौरी और पार्वती कहते हैं। भगवान स्कंदजी बालरुप में इन्हीं के गोद में विराजते हैं। सौभाग्य की देवी स्कंदमाता असुरों का दमन करने वाली और परम वैभवशाली है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांति से संपन्न हो जाता है। कथा है कि एक बार असुर तारकासुर ने घोर तपस्या करके ब्रह्माजी से अक्षत जीवन का वर ले लिया था। बह्माजी ने वरदान तो दे दिया पर कहा कि आना-जाना तो इस सृष्टि का नियम है। इससे कोई नहीं बच सकता। इस पर धूर्त तारकासुर ने वर मांगा कि उनकी मौत हो तो सिर्फ शिवजी के पुत्र के हाथों। बह्माजी ने भी तथास्तु कह दिया। अब तारकासुर निरंकुश हो गया। उसने सोचा न तो शिव कभी विवाह करेंगे और उसकी मौत होगी। तारकासुर ने ऐसा उत्पात मचाया कि सारा संसार त्राहि-त्राहि कर उठा।

जिस मंदिर में शादी तय हुई थी, वहां मन्नत पूरी करने पहुंचे, पर साथ लौट नहीं पाए

- रोपवे हादसे में महिला की मौत, रायपुर की रहने वाली थी
- राजातालाब निवासी युवक के साथ महिला की नवंबर में हुई थी शादी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महासमुंद, खल्लारी मंदिर में रोपवे टूटकर गिरने से जिस महिला की मौत हुई है, वह रायपुर के राजातालाब की रहने वाली थी। घटना में महिला का पति तथा परिवार के दो अन्य सदस्य घायल हुए हैं। घायलों का उपचार कमल विहार स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। महिला का अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। महिला जहां रहती थी, घटना की जानकारी मिलने के बाद उस क्षेत्र में शोक का माहौल है।

आसपास के लोगों ने बताया कि आयुषी का ऋषभ के साथ रिश्ता खल्लारी मंदिर में तय हुआ था। रिश्ता तय होने के बाद दोनों का पिछले वर्ष 25 नवंबर को विवाह हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाह होने के बाद पति-पत्नी की खल्लारी मंदिर दर्शन करने जाने की मन्नत थी। उसी मन्नत के चलते ऋषभ अपनी पत्नी, भाई तथा अपने रिश्ते की बहन मनस्वी के साथ मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। मंदिर दर्शन कर वापस लौटने के दौरान रोपवे टूटने से आयुषी धावड़े (28) की मौत हो गई। आयुषी का पति ऋषभ, उसका छोटा भाई शुभ तथा मनस्वी उपासे (13) घायल हुए हैं। घटना सुबह 11 बजे की है। आयुषी दुर्ग के बालोद गांव में संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थीं। महिला का पति पेशे से सिविल कांट्रेक्टर है। ऋषभ के माता-पिता नहीं है। घटना की जानकारी ऋषभ की बुजुर्ग चाची को नहीं दी गई है।

जिस मंदिर में रिश्ता तय हुआ, उसी जगह सात जन्मों का नाता टूटा

पड़ोसियों के मुताबिक, आयुषी का बचपन रायपुर राजातालाब में ऋषभ के घर के पास गुजरा है। आयुषी की मां टीचर थीं तथा पिता गवर्नमेंट जॉब में थे। मूल रूप से वे धमधा के रहने वाले हैं। यह दर्दनाक ही है कि जहां सात जन्मों का बंधन तय हुआ था,वहीं दोनों का साथ छूट गया। मंदिर में मांगी गई मन्नत पूरी करने निकले इस परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

मंदिर दर्शन के लिए रात में निकले थे

आयुषी, उसका पति तथा परिजन साथ में शनिवार रात खल्लारी माता का मंदिर दर्शन करने के लिए निकले थे। पड़ोसी महिला के अनुसार, मंदिर दर्शन करने जाने के दौरान आयुषी ने वाट्स एप स्टेटस पर फोटो शेयर किया था। मंदिर में दर्शन करने के बाद आयुषी ने फिर वाट्स एप पर स्टेटस शेयर किया। पड़ोसियों को सुबह 11.30 बजे घटना की जानकारी मिली। किसी को इस बात पर यकीन ही नहीं हुआ। पड़ोस में रहने वाली महिलाएं कह रही थीं कि आयुषी ने कुछ देर पूर्व मंदिर दर्शन कर वापस लौटने के दौरान वाट्स एप पर स्टेटस शेयर किया है। इसके बाद इतनी जल्दी आयुषी की मौत कैसे हो सकती है?

मई में होगी 10वीं की द्वितीय परीक्षा, तीन चरणों में जमा होगी कैंडिडेट्स की लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- नहीं मिलेगा आंतरिक मूल्यांकन में सुधार का विकल्प

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मई में 10वीं की दूसरी बार आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर एक सर्कुलर जारी किया है। बोर्ड की ओर से स्कूलों को जारी इस सर्कुलर में लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स जमा करने की प्रक्रिया और दिशा-निर्देश दिए हैं। बोर्ड के अनुसार, मई 2026 में 10वीं की द्वितीय बोर्ड परीक्षा का उद्देश्य छात्रों को अपने ⏭ शेष पेज 11 पर

विषय बदलने की अनुमति नहीं

बोर्ड ने साफ कर दिया है कि सेकेंड बोर्ड परीक्षा में विषय बदलने की अनुमति नहीं होगी। केवल गणित के मामले में नीति के अनुसार कुछ सीमित छूट दी जा सकती है। इसके अलावा छात्र के डेटा में भी कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। एक महत्वपूर्ण निर्देश यह भी है कि इंटरनल असेसमेंट (आंतरिक मूल्यांकन) में सुधार का कोई विकल्प ⏭ शेष पेज 11 पर

ये छात्र नहीं हो सकेंगे शामिल

सीबीएसई ने सेकेंड बोर्ड परीक्षा के लिए पात्रता की शर्तें भी स्पष्ट कर दी हैं। इसके अनुसार, छात्र का मुख्य परीक्षा में बैठना अनिवार्य है। छात्र ने कम से कम कम से कम 3 विषयों में परीक्षा दी हो। उत्तीर्ण छात्र अधिकतम 3 विषयों में सुधार कर सकते हैं। कंपार्टमेंट वाले छात्र भी इसमें शामिल हो सकते हैं। हालांकि, जिन छात्रों ने 3 या उससे ज्यादा विषयों में परीक्षा नहीं दी है या फेल हुए हैं, वे सेकेंड बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। ऐसे छात्रों को अगले साल फरवरी में मुख्य परीक्षा देनी होगी।

खबर संक्षेप

महामाया मंदिर में 634 ज्योति कलश स्थापित

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम सांकरा (देवरानी जेठानी) नाला महामाई मन्दिर में चैत्र नवरात्रि पर्व पर इस वर्ष 634 ज्योति प्रज्जवलित है। जिसमे घृत के 115 व तेल के 519 ज्योति शामिल है।

पारागांव में धूमधाम से मनाया हिंदू नववर्ष को

आरंग। ग्राम पारागांव की पावन धरा पर हिन्दू नववर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव की सरपंच अंजू शशिकांत बंजारे, उपसरपंच राधेलाल निषाद, जनपद सदस्य लीला लच्छन निषाद सहित गांव के वरिष्ठजन लखन लाल कुंभकार, हरि सोनकर, शंकर लाल सोनकर एवं सोनू साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के तहत शाम को मानस गान का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने भक्ति रस में डूबकर भाग लिया। वहीं रात्रि में आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई, जिसे देखने बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।

यशस्वी का नवोदय में चयन से हर्ष

आरंग। शासकीय अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक शाला लोधी पारा की छात्रा यशस्वी डहरिया, पिता कल्याण डहरिया का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं के लिए हुआ है। ज्ञात हो कि इस होनहार छात्रा ने 92.50 अंक प्राप्त कर जिले में 16वां रैंक प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा सहित प्रधान पाठक लोचन साहू एवं शालेय परिवार ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना के साथ हर्ष व्यक्त किया है।

नितिन को गौ कथा का दिया आमंत्रण

सिलयारी। मंधार में गौ मद भागवत कथा महोत्सव 21 से 27 मार्च तक होगा। यह आयोजन माँ मंगला गौ सेवा समिति मंधार के तत्वावधान में समस्त ग्रामवासियों के सौजन्य से संपन्न होगा। कथावाचक गोवत्स सुरभि दास जी महाराज होंगे। आयोजकों ने नितिन गौरीशंकर अग्रवाल को कथा का निमंत्रण दिया।

पीपला ने पांच स्थानों पर लगाया वाटर कूलर

आरंग। विश्व जल दिवस पर स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने आरंग के थाना परिसर में वाटर कूलर लगाया। जिसकी थाना प्रभारी हरीश साहू, एस आई चेतन दुबे सहित समस्त थाना स्टाफ ने मुक्तकंठ से सराहना करते हुए फाउंडेशन का आभार जताया। फाउडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर ने बताया आरंग नगर में पांच जगहों पर वाटर कूलर लगा चुका हैं। इस मौके पर फाऊंडेशन के संरक्षक पारसनाथ साहू, अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, गौ सेवक राहुल जोशी, थाना प्रभारी हरीश साहू, एसआई चेतन दुबे सहित थाना स्टाफ की उपस्थित थे।

आदिशक्ति मां महामाया धाम 243 ज्योतिकलश स्थापित

आरंग। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्राचीन धार्मिक नगरी आरंग में भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। नगर के प्रमुख आस्था केंद्र, आदिशक्ति माँ महामाया मंदिर में इस वर्ष 243 ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं, जिनकी लौ भक्तों के अटूट विश्वास का प्रतीक बनी हुई है। मंदिर के पुजारी चंदनपुरी गोस्वामी ने बताया कि माँ महामाया यहाँ अपने अत्यंत भव्य और कल्याणकारी स्वरूप में विराजमान हैं।

नवरात्रि की पंचमी पर आज माता आदिशक्ति की विशेष आराधना

मंदिरों में चार हजार से अधिक मनोकामना ज्योतिकलशों की स्थापना

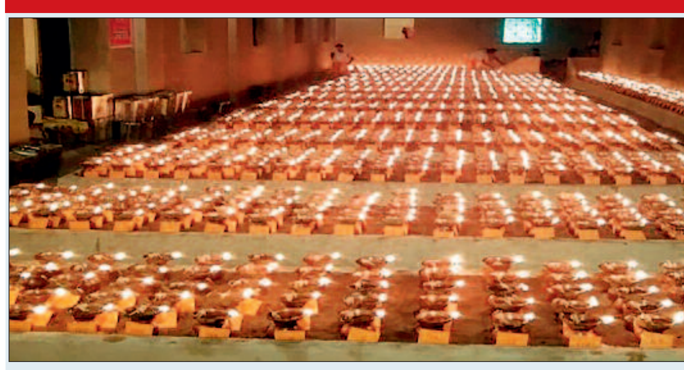

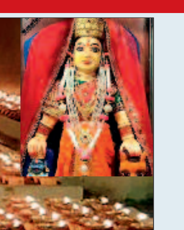

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा सहित आसपास इलाके में चैत्र नवरात्रि धूम मची हुई है । माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं का जमावड़ा लग रहा है। महामाया मंदिर नेवरा , मां दुर्गा मंदिरस्टेशन चौक ,मावली माता मंदिर तिल्दा बस्ती , भैरव धाम माता मंदिर ,मां काली मंदिर, बगदी माता मंदिर ,जय बंजारी माँखपरी मढ़ी सहित विभिन्न दुर्गा मंदिरों पर पहुंच श्रद्धालु ने अपने-अपने मनोकामना के लिए विधिपूर्वक पूजा अर्चना कर रहे है ।

चैत्र नवरात्रि के अवसर पर नगर एवं देहात क्षेत्र में स्थित दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है ।नवरात्र के चौथे दिन लोगों ने माँ कूष्मांडा की पूजा की । मान्यता है कि उन्होंने अपनी हल्की मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी, इसलिए उन्हें 'आदिशक्ति' कहा जाता है। माता कूष्मांडा की पूजा से रोग, शोक और कष्ट दूर होते हैं, साथ ही स्वास्थ्य, सुख और यश की प्राप्ति होती है। इस दिन पीले रंग के वस्त्र और फूल धारण करना शुभ माना जाता है।कल 23 मार्च को माता के मंदिरों में पंचमी मनाई जाएगी। सुबह से ही माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। पंचमी के दिन माता का विशेष श्रृंगार किया जाता है।. उसके बाद से मंदिरों में श्रद्धालुओं की और भी भीड़ बढ़ जाएगी।. सिद्ध पीठ महामाया मंदिर नेवरा, मौली मंदिर तिल्दा बस्ती, भगवानगढ़ माता मंदिर खपरी मादी बंजारी माता मंदिर सहित बागड़ाई माता मंदिर में 4000 से अधिक ज्योत प्रज्वलित की गई है।

जसगीत से गूंज रहे मंदिर

शाम होते ही माता का दर्शन करने लोग परिवार के साथ मंदिरों में पहुंच रहे हैं, जस गीतों से मंदिर गूंजायमान हो रहे हैं,। बंजारी माता मंदिर के अध्यक्ष खेमलाल नायक ने बताया कि पिछले सालों की अपेक्षा इस बार श्रद्धालुओं के अधिक भीड़ आ रही है,। महामाया मंदिर में भी काम आवेश वैसी ही स्थिति है, भैरव गढ़ माता मंदिर के अध्यक्ष सुंदर दास पंजवानी ने बताया कि मंदिर में सुबह से रात तक श्रद्धालुओं का मेला लग रहा है. पंचमी को लेकर मंदिरों में तैयारी पूरी कर ली गई है.।

समस्या : अब 25 दिनों के बाद सिलेंडर मिल रहा, 2500 से 3000 रुपए में बेची जा रही

गैस के लिए हाहाकार, सिगड़ी जली, लकड़ी जुगाड़ की तैयारी व कालाबाजारी जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

शहर में एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। गैस सिलेंडर को लेकर हाहाकार जैसी स्थिति बनती दिख रही है। लोगों को घंटों लाइन में लगने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है.। हालांकि, सरकार लगातार कह रही है कि गैस की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और किसी तरह की कमी नहीं है।,लेकिन सच्चाई कुछ और है । सिलेंडर नहीं मिलने के कारण लोगो ने घरो में लकड़ी और सिगड़ी जलना शुरू कर दिया ।

जिन लोगों के पास अलग-अलग दो-तीन नाम से घरेलू कनेक्शन है. वे लोग किसी तरह से घरों में अपना काम चला रहे हैं। लेकिन जिनके पास एक ही कनेक्शन है उनके लिए मुसीबत बढ़ गई है।. दरअसल पहले बुकिंग होते ही दूसरे तीसरे दिन सिलेंडर घर पहुंच जाता था लेकिन अब 25 दिन के बाद सिलेंडर मिल रहा है, ऐसे में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है।हालत ये है की लोग 2500 से 3000 में यानी की 2000 ब्लैक में सिलेंडर खरीद रहे हैं।. तिल्दा नेवरा में एक ही गैस एजेंसी है.।

एजेंसी संचालक ने बताया कि उनके द्वारा 20 हजार कनेक्शन बाते गए है ।लेकिन अभी तक गैस की कोई कमी नहीं है. बराबर लोगों के पास अभी तक गैस सिलेंडर पहुंच रहा है.। लेकिन जिनके पास एक ही कनेक्शन है उनको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. एजेंसी के दिलीप परगनिया ने बताया कि शासन के निर्देश पर लगभग 1000 कनेक्शन निलंबित किए गए हैं.।

ये ऐसे गैस कनेक्शन है . जिनके द्वारा पिछले एक डेढ़ साल से रिफलिंग नहीं कराया गया था.। लेकिन अब उन लोगों की लाइन लग रही है.। सबसे ज्यादा परेशानी होटल और ढाबे वालों के साथ वाहन चालक और नौकरी करने वालो को हो रही है ।

अवैध रिफलिंग का गोरख धंधा

तिल्दा में कुछ ऐसे दुकानदार हैं जिन्होंने कई लोगों के नाम पर गैस कनेक्शन ले रखे हैं उनके लिए अब यह गैस सिलेंडर सोने की कीमत जैसा साबित हो रहा है.। इन दुकानदारों के द्वारा जिन नाम से गैस कनेक्शन ले रखा है बाकायदा उनके नाम से हर महीने सिलेंडर भरवाया जाता था. दुकानदार घरेलू सिलेंडर से 2 किलो और 5 किलो वाले टंकियां में 150 रुपए और 400 में भरकर बेचा करते थे. ऐसा नहीं कि यह दुकानदार चोरी छुपे गैस सिलेंडर का काम करते थे। पहले भी खुलेआम अवैध रिफिलिंग कर गैस बेचते थे और आज भी वे लोग गैस तीन गुना दामअधिक पर बेच रहे हैं.। अधिकारीयो से मिलीभगत होने के कारण इन पर कोई भी कार्यवाही नहीं होती है. एक फुड स्पेक्टर तो धमकी देकर कहता है हमारी शिकायत जहा करनी है कर लो.हम तब ता छापा नही मार्गे जब शिकायत करता सामने चलकर नही बताएगा की कहा पर सिलेंडर रखे हुए है ।..बताया जाता है एक भालू नाम से विख्यात सफेद पोश अवैधकनेक्शन बेचने वालो से वसूली कर फुड विभाग के अधिकारियो तक पहुचता है ,ऐसे में शिकायत होने के बाद भी कोई कार्रवाई नही होती ,बल्कि उन्हें जानकारी मिल जाती है की किसने उनकी शिकायत अधिकारियो से की है ,,लोगो खाना है की आज भी यदि इन दुकानदारों के यहां छापा मार कार्रवाई की जाए तो 100 से 150 सिलेंडर इनके गोदाम में भरे हुए मिलेंगे.।

शहर में गैस सिलेंडर की इतनी मारामारी है कि लोग 2 किलो वाले गैस सिलेंडर खरीदने मुह मांगी कीमत देने को तैयार है दो किलो और 5 किलो वाले गैस भरने वाले इधर-उधर भटक रहे हैं. कई लोगों ने गैस सिलेंडर की जगह लड़कियां जलानी शुरू कर दी है .तो कई लोग अब कोयले का इस्तेमाल करने लगे हैं. लकड़ी का रेट भी दो गुना हो गया है 1 किलो जालौर लकड़ी की कीमत 9 हो गई है।. जबकि पहले लकड़ी 5 से 6 किलो मिलती थी

मां कौशल्या महोत्सव 24-25 को, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

चंदखुरी। माता कौशल्या धाम नगर पंचायत चंदखुरी में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 24 व 25 मार्च को दो दिवसीय माता कौशल्या महोत्सव आयोजित है, मंदिर समिति प्रचार प्रभारी पोषण मारकंडे ने बताया चैत्र नवरात्र में प्रतिदिन भक्तिमय प्रस्तुति हो रही है वही इस वर्ष 990 म नो का म ना ज्योति प्रज्वलित हुई है। 26 मार्च महाअष्टमी को मंदिर परिसर में महा भंडारा का भी आयोजन हैं।

24 मार्च प्रथम दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल अध्यक्षता करेंगे। विशिष्ट अतिथि में केदार कश्यप मंत्री वन एवं जलवायु परिवर्तन, खुशवंत साहेब मंत्री तकनीकी शिक्षा रोजगार एवं अनुसूचित जाति विकास, बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर, नीलू शर्मा अध्यक्ष पर्यटन मंडल, मोना सेन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास निगम, शशांक शर्मा अध्यक्ष साहित्य अकादमी, प्रभात मिश्रा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग, नवीन अग्रवाल अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर, प्रतीक बैस अध्यक्ष नगर पंचायत रायपुर साथ में आसपास के जनप्रतिनिधि कार्यक्रम शामिल होंगे। सुबह 9 बजे से कलशयात्रा निकाली जाएगी, दोपहर 2 बजे से भक्तिमय प्रस्तुति में ख्यातिप्राप्त रामायण मंडली में मां शारदा मानस मंडली चंदखुरी रायपुर, आराधना बालिका मानस मंडली बालोद, पारसमणी मानस परिवार रायपुर रामायण मंडली प्रस्तुति देगी। शाम 7 बजे से अतिथि आगमन स्वागत उद्बोधन, रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोककला मंच रंग-छतीसा पुनम तिवारी बेला तिवारी की मनोरम प्रस्तुति होगी।

रामायण मंडलियों के होंगे कार्यक्रम

मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री वही अध्यक्षता करेंगे केदार कश्यप मंत्री वन एवं जलवायु परिवर्तन, विशिष्ट अतिथि में खुशवंत साहेब मंत्री तकनीकी शिक्षा रोजगार एवं अनुसूचित जाति विकास, बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर, नीलू शर्मा अध्यक्ष पर्यटन मंडल, मोना सेन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास निगम, शशांक शर्मा अध्यक्ष साहित्य अकादमी, प्रभात मिश्रा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग, नवीन अग्रवाल अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर, प्रतीक बैस अध्यक्ष नगर पंचायत चंदखुरी एवं आसपास के जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आरंग में फायर ब्रिगेड की कमी एक ही सीवर मशीन का सहारा

आरंग। नगरपालिका परिषद आरंग क्षेत्र में मूलभूत नगरीय सुविधाओं की स्थिति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जहां एक ओर सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए सीमित संसाधन उपलब्ध हैं, वहीं दूसरी ओर आगजनी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की व्यवस्था पूरी तरह नदारद है। जानकारी के अनुसार, नगरपालिका परिषद आरंग के पास वर्तमान में केवल एक सीवर सकर मशीन उपलब्ध है, जिसकी क्षमता करीब 2500 लीटर है। इस मशीन के माध्यम से नगर क्षेत्र में सेप्टिक टैंकों की सफाई की जाती है। यह सेवा निःशुल्क नहीं है, बल्कि निर्धारित शुल्क लेकर ही मशीन को निजी उपयोग के लिए भेजा जाता है। सीमित संसाधनों के कारण कई बार लोगों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ता है, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। वहीं, नगर में फायर ब्रिगेड की सुविधा का पूर्ण अभाव बना हुआ है। किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना होने पर तत्काल राहत उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वर्तमान में आग बुझाने के लिए पानी के टैंकरों का उपयोग किया जाता है, जो कि बड़े हादसों में अपर्याप्त साबित होते हैं। गंभीर आग लगने की स्थिति में बाहरी सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे मामलों में नजदीकी शहर रायपुर से फायर ब्रिगेड मंगवाई जाती है, लेकिन दूरी अधिक होने के कारण मौके पर सहायता पहुंचने में देरी हो जाती है, जिससे नुकसान बढ़ने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन आवश्यक सुविधाएं उसी गति से विकसित नहीं हो पाई हैं। लोगों ने मांग की है कि नगर में स्थायी फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की जाए और सीवर सफाई के लिए अतिरिक्त मशीनें उपलब्ध कराई जाएं। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों का कहना है की वर्तमान में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर कार्य किया जा रहा है। भविष्य में आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजे जाने की बात भी कही जा रही है। फिलहाल, आरंग नगर के नागरिक सीमित संसाधनों के भरोसे ही अपनी सुरक्षा और सुविधाओं की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

कांग्रेस की बैठक में संगठन की मजबूती पर दिया जोर

सिलयारी। 22 मार्च को गुमा मंडल कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से तीन बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें ग्राम अध्यक्षों के गठन, बूथ कमेटी के गठन तथा मतदाता सूची के वितरण को लेकर रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं को जल्द से जल्द अपने-अपने क्षेत्रों में कमेटियों का गठन पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान गुमा मंडल अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए ग्राम स्तर से लेकर बूथ और सेक्टर स्तर तक संगठन को सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय होकर संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया। बैठक में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, प्रदीप पुरी गोस्वामी, दुर्गा प्रसाद बंजारे,दिना सायतोडे, राजू सायतोड़े, मनोज सायतोड़े, गोविंद नेताम, ईश्वर निषाद, सालिक यदु, महेश निषाद, सौरभ बंजारे, हरिशंकर सेन, निर्मल मारकंडे, कोमल डहरिया, सुमित गायकवाड सहित गुमा मंडल के कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बुजुर्गों ने भी उल्लास साक्षरता महापरीक्षा दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ग्राम पंचायत गुखेरा में आज एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने न केवल शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की एक नई मिसाल भी पेश की। उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने सिद्ध कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। शिक्षकों ने इसे केवल एक सरकारी औपचारिकता न मानकर एक पारिवारिक उत्सव बना दिया। घर-घर जाकर उन्हें सम्मान से आमंत्रित कर उनके अनुभव को सम्मान दिया गया। शासकीय प्राथमिक शाला गुखेरा में जब ये 'बुजुर्ग विद्यार्थी' पहुंचे, तो नजारा भावुक करने वाला था। सरपंच प्रतिनिधि पुरुषोत्तम सोनवानी, शाला विकास समिति अध्यक्ष रेखराज देवांगन, संकुल समन्वयक हरीश दीवान, ग्राम प्रभारी अरविंद वैष्णव, वरिष्ठ शिक्षक रामनारायण कन्नौजे, साक्षरता प्रभारी शिक्षक नोहर लाल यादव सभी ने सक्रिय रूप से सहयोग किया एवं परीक्षार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनसे आत्मीय संवाद किया।

स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में छात्राएं सुषमा देवांगन, मानसी चौहान, खिलेश्वरी कुर्रे, हिना रात्रे, मीनाक्षी सोनवानी ने बहुत उत्साह एवं प्रसन्नता से इस पुनीत कार्य में चुनौती लेकर सराहनीय कार्य किया एवं सफाई कर्मी सहित मध्यान्ह भोजन स्व-सहायता समूह की सहभागिता रही। कुल 28 परीक्षार्थी शामिल हुए।

शिक्षा का उल्लास, आरंग की 150 पंचायतों में बुजुर्गों ने लिखी इबारत

आरंग। जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय के निर्देशन में आरंग की 150 ग्राम पंचायतों में 'उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा' का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्रों पर ऐसा उत्साह दिखा जैसे कोई त्योहार मनाया जा रहा हो। विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा कई केंद्रों में गए एवं कलम पकड़े बुजुर्गों के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि इनकी आंखों की चमक बता रही है कि ये समझ और अपने स्वाभिमान के साथ प्रसन्नता से परीक्षा दे रहे हैं। स्वयंसेवी शिक्षकों, ग्राम प्रभारियों और सहयोगी शिक्षकों ने परीक्षार्थियों का स्वागत किसी विशिष्ट अतिथि की तरह किया। कहीं बुजुर्गों को गुलाल लगाया गया, कहीं पुष्प वर्षा हुई, तो कहीं मुंह मीठा कराकर उन्हें परीक्षा हॉल तक लाया गया। प्रशासन की ओर से परीक्षार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक का समय दिया गया था, ताकि वे अपनी सुविधा अनुसार शामिल हो सकें। विकासखंड स्रोत समन्वयक सुरेंद्र सिंह चंद्रसेन एवं नोडल अधिकारी अलंकार परिहार की सक्रिय भागीदारी रही। ज्ञात हो कि महापरीक्षा का द्वितीय चरण सितंबर में आयोजित होगा।

4 हफ्तों से गैस आपूर्ति ठप उपभोक्ताओं में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग क्षेत्र अंतर्गत लखौली बस स्टैंड में इंडियन गैस एजेंसी आरंग द्वारा प्रति सप्ताह गुरुवार को उपभोक्ताओं को भरे गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था लंबे समय से जारी थी, जिससे स्थानीय उपभोक्ताओं को राहत मिलती थी। लेकिन अमेरिका–ईरान युद्ध की शुरुआत के बाद पिछले चार सप्ताह से सिलेंडर से भरी गाड़ी का आना पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि मजबूरी में उपभोक्ताओं को आरंग गैस एजेंसी तक जाना पड़ रहा है, जहां घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी नंबर आने से पहले ही सिलेंडर खत्म हो जाते हैं। इससे लोगों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं दूसरी ओर, मंदिरहसौद से जुड़े उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वहां प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को नियमित रूप से सिलेंडर से भरी गाड़ियां पहुंच रही हैं। जानकारी के अनुसार, वहां पर्याप्त उपभोक्ता नहीं होने के कारण कई बार भरे सिलेंडर वापस तक ले जाने पड़ते हैं। लखौली निवासी लोकेश चन्द्राकर सहित अनेक उपभोक्ताओं ने आरंग गैस एजेंसी पर मनमानी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लगातार चार सप्ताह से एजेंसी के चक्कर काटने और घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने संबंधित विभाग से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि मंदिरहसौद गैस एजेंसी की तर्ज पर आरंग गैस एजेंसी को भी निर्धारित दिन और तारीख पर नियमित रूप से सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करनी की मांग की है।

लापरवाही से खल्लारी में मासूम की मौत, परिजनों को मुआवजा दें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

महासमुंद जिले के अंतर्गत खल्लारी मंदिर रोपवे हादसे को लेकर छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार डहरिया ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए कहा कि यह हादसा नहीं, बल्कि व्यवस्था की नाकामी है।

■ पूर्व मंत्री डा.डहरिया ने लापरवाही का लगाया आरोप

पूर्व मंत्री ने बयान जारी करते हुए कहा कि चैत्र नवरात्र जैसे बड़े पर्व पर जहां हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं, वहां रोपवे जैसी संवेदनशील व्यवस्था का समय पर मेंटेनेंस न होना सीधे-सीधे सरकार और प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है। यदि नियमित जांच और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया होता, तो आज एक बेटी की जान नहीं जाती। उन्होंने आगे कहा कि सरकार सिर्फ आयोजन और भीड़ प्रबंधन के दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा इंतजाम पूरी तरह फेल हैं। श्रद्धालुओं की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। डॉ डहरिया ने कहा यह बेहद गंभीर विषय है और इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की। पूर्व मंत्री ने आगे दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि केवल जांच के आदेश देकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने पीड़ित परिवार को पर्याप्त मुआवजा और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-16 सारागांव तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

//आम सूचना//

जारी दिनांक 18/03/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पस्मीन रियल्टी एल.एल.बी. द्वारा भागीदार कबीर पिता/पति रमेश कुमार पसारी निवासी सुमीत सिटी छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम टेकारी पटवारी हल्का नंबर 23 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-16 सारागांव में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 324/5, 325/4 रकबा 0.101, 0.845 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार धरसींवा के आदेश क्रमांक Q/वाचक/ना.तह./2026 दिनांक 02/03/2026 के परिपालन में दिनांक 24/03/2026 को समय 10 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नंबर 23 के ग्राम बरौदा में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैद्य अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पशचात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर 16 (सारागांव)

न्यायालय नायब तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला - रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रंमाक/Q/वाचक/तह./2025
मंदिर हसौद, दिनांक 18/03/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण अश्वनी कुमार पिता जीवन लाल वर्मा निवासी टेकारी तहसील मंदिर हसौद, जिला रायपुर के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है, कि ग्राम-टेकारी प.ह.न.10 रा.नि.मं. चंदखुरी तहसील मंदिर हसौद स्थित भूमि ख न 351/3 रकबा 0.1400 हे भूमिस्वामी अश्वनी कुमार वर्मा पिता जीवन लाल, दुलारी पिता ललित कुमार देवकी पिता जीवन लाल, देहुती वर्मा पिता जीवन लाल मंजू वर्मा पिता ललित कुमार, मनोज वर्मा पिता ललित कुमार, ममता वर्मा पिता ललित कुमार, रोहित वर्मा पिता जीवन लाल के नाम पर दर्ज है। उपरोक्त वर्णित भूमि की वर्तमान रिकार्ड में सहखातेदार / भूमिस्वामी का नाम दुलारी पिता ललित कुमार, देहुती वर्मा पिता जीवन लाल, मंजू वर्मा पिता ललित कुमार, मनोज वर्मा पिता ललित कुमार, रोहित वर्मा पिता जीवन लाल दर्ज है जो कि त्रुटीपूर्ण है। भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड में सहखातेदार / भूमिस्वामी का नाम दुलारी पति ललित कुमार, देवहुती पिता जीवन लाल, मंजूलता, मनोज कुमार वर्मा दोनो के पिता ललित कुमार, रोहित वर्मा पिता जीवन वर्मा दर्ज है जो कि सत्य व सही है। उक्त भूमि में भूमिस्वामी का नाम दुलारी पिता ललित कुमार, देहुती वर्मा पिता जीवन लाल, मंजू वर्मा पिता ललित कुमार, मनोज वर्मा पिता ललित कुमार, रोहित वर्मा पिता जीवन लाल को विलोपित कर उसके स्थान पर सहखातेदार का सही नाम दुलारी पति ललित कुमार, देहुती ऊर्फ देवहुती पिता जीवन लाल, मंजू ऊर्फ मंजूलता पिता ललित कुमार मनोज वर्मा ऊर्फ मनोज कुमार वर्मा पिता ललित कुमार, रोहित वर्मा पिता जीवन लाल वर्मा ऊ र्फ जीवन वर्मा दर्ज किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध मे जिस किसी भी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 06/04/2026 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

पीएम सूर्य घर योजना में थोक में अर्जियां, पैनल लगाने की चाल बेहद धीमी

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में दो साल में 1.30 लाख घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। दो साल के लक्ष्य से कहीं ज्यादा आवेदन तो जरूर आ गए हैं लेकिन सोलर पैनल लगाने की रफ्तार धीमी होने के कारण एक साल के लक्ष्य जितने भी सोलर पैनल नहीं लग सके हैं। एक साल में 65 हजार सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है, लेकिन मार्च समाप्त होने को है और अब तक 40 हजार सोलर पैनल ही लग सके हैं।

केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के लिए अलग-अलग राज्यों का अलग-अलग लक्ष्य तय है। अपने प्रदेश के लिए दो साल में 1.30 लाख सोलर

डबल सब्सिडी से आवेदनों की रफ्तार में भारी इजाफा

पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रारंभ में योजना में आवेदन करने की रफ्तार के साथ सोलर पैनल लगाने की रफ्तार भी धीमी रही है। इसके बाद इस मामले में प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाई और योजना बनाकर काम प्रारंभ किया गया। योजना में उपभोक्ताओं की रुचि लाने के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकार की तरफ से भी सब्सिडी देने का काम प्रारंभ किया है। जहां तीन किलोवाट पर केंद्र सरकार की 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है, वहीं राज्य सरकार भी 30 हजार की सब्सिडी दे रही है। एक और दो किलोवाट पर केंद्र के साथ राज्य सरकार की सब्सिडी मिल रही है। राज्य सरकार की सब्सिडी के ऐलान के बाद योजना में आवेदनों की रफ्तार में बहुत तेजी आई है। केंद्र सरकार के पोर्टल के मुताबिक अब तक छत्तीसगढ़ में 168531 आवेदन आ चुके हैं। यानी ये आवेदन लक्ष्य से करीब 40 हजार ज्यादा है। ऐसे में संभावना यह जताई जा रही है कि दो साल में लक्ष्य से ज्यादा सोलर पैनल लग जाएंगे।

40 हजार सोलर पैनल ही लगे

प्रदेश में सोलर पैनल लगाने के लिए पांच सौ से ज्यादा वेंडर तय हैं, इसके बाद भी लक्ष्य के हिसाब से सोलर पैनल लगाने की रफ्तार बहुत धीमी है। लेकिन योजना के प्रारंभ होने के कुछ माह बाद से तुलना की जाए तो उसके मुकाबले रफ्तार बढ़ी है। पहले तो बीते साल जून तक महज साढ़े तीन हजार सोलर पैनल ही लगे थे और 42 हजार आवेदन आए थे। इसके बाद जब बीते साल प्रदेश सरकार ने भी सब्सिडी का ऐलान किया तो इसके बाद से इसकी रफ्तार में इजाफा हुआ है। बीते छह माह में जहां एक लाख से ज्यादा आवेदन आए हैं, वहीं 35 हजार से ज्यादा सोलर पैनल लगे हैं। आज की स्थिति में जहां 40783 आवेदनों पर सोलर पैनल लगे हैं, वहीं इन आवेदनों से 42243 घर रोशन हुए हैं।

खबर संक्षेप

हज कमेटी के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा एजाज बेग ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को ईदुल फित्र, नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देकर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री श्री साय से ईद के मौके पर इस भेंट के दौरान देश, प्रदेश की तरक्की, खुशहाली, अमन-शांति दुआ की गई। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के सूफी मौलाना इलियास चिश्ती एवं मौलाना अमीर बेग भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर उपासने का भव्य स्वागत

रायपुर। लोकतंत्र सेनानी संघ का 21 मार्च को दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। साथ ही लोकतंत्र विजय दिवस तथा संगठनात्मक चुनाव भी हुआ। इसके बाद संघ के आगामी तीन वर्षों के लिए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित होने व लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रथम रायपुर आगमन पर श्री उपासने का विमानतल में रविवार को भव्य स्वागत किया गया। इसके अवाला लोकतंत्र प्रहरी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत कर नगर के प्रमुख मार्गों से रैली के रूप में प्रोफेसर कॉलोनी तक निकाली गई। इस मौके श्री उपासने ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक प्रदेश में प्रदेश, संभाग व जिला स्तर पर इकाइयां गठित हो गई हैं, व्यापक सदस्यता अभियान को गति दे संगठन को मजबूत करना है।

गुजराती ब्रह्म समाज ने किया भूमिपूजन

रायपुर। गुजराती ब्रह्म समाज के त्रिमूर्ति नगर स्थित दया भवन के द्वितीय तल में शनिवार को भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सर्वप्रथम नवरात्रि की बधाई दी तथा समाज के पदाधिकारियों को कहा कि समाज के भवन का उपयोग साल में पचास दिन महिलाओं को तथा गरीब बच्चों को कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए एवं नजदीक की बस्तियों के लोगों को स्किल्ड प्रशिक्षण देने के लिए करना चाहिए। इसी दौरान समाज के अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने कहा कि पिछले 15-20 वर्षों में ब्रह्म समाज ने सभी के सहयोग से उत्तरोत्तर विकास किया है और पूरे छत्तीसगढ़ में गुजराती समाज के अंदर अपना निश्चित स्थान बनाया है। आगे बताया कि दया बेन तथा पोपट महाराज द्वारा दिए गए दान के कारण भवन का नाम "दया भवन" रखा है। दया भवन के निर्माण में विधायक कुलदीप जुनेजा, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, वर्तमान विधायक पुरंदर मिश्रा, इन सभी से सहयोग प्राप्त हुआ है। भूमिपूजन के अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़, एमआईसी सदस्य महेंद्र खोडियार तथा अवतार सिंग बागल आदि शामिल रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में 16 तो चिकित्सा शिक्षा में 64 फीसदी स्टाफ की कमी

हेल्थ में 40 हजार पद, इनमें से 16000 से ज्यादा खाली, कैसे खुलेंगे नए अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लोगों के स्वास्थ्य विभाग का ध्यान रखने वाला स्वास्थ्य विभाग स्वयं मानव संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा विभाग से संचालित हास्पिटल, डॉक्टर सहित अन्य कर्मचारियों की बड़ी कमी से जूझ रहे हैं। व्यापक स्तर पर भर्ती नहीं होने की वजह से पुराने सेटअप की पूर्ति नहीं हो पाई है, ऐसे में खोले जाने वाले नए संस्थान में स्टाफ की व्यवस्था बड़ी चुनौती होगी।

- पुराने सेटअप की पूर्ति अब तक नहीं, नए संस्थान का स्टाफ बड़ी चुनौती

हरिभूमि सरोकार

स्वास्थ्य विभाग के प्रशासकीय प्रतिवेदन के अनुसार संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं में चिकित्सक, नर्सिंग सहित तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के कुल 40 हजार 250 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 16515 यानी लगभग 15 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी है। वहीं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अंतर्गत संचालित मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों में प्रथम से लेकर चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों के कुल 8447 पद स्वीकृत हैं, इसकी तुलना में 1284 लोग कार्यरत हैं, यानी यहां 85 फीसदी स्टाफ की जरूरत है। विभागीय स्तर पर मानव संसाधन की इन कमियों को दूर करने के लिए व्यापक स्तर पर लंबे समय से कोई प्रयास नहीं किया गया है। ऐसे में राजधानी में आंबेडकर अस्पताल के 700 बेड के इंटीग्रेटेड भवन, सरोना में बनने वाले 100 बेड के हास्पिटल के साथ राज्य के अन्य जिलों में चिकित्सकीय सहित अन्य स्टाफ की कमी से हेल्थ सेंटर कैसे खुलेंगे?

मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में पद रिक्त

चिकित्सा महाविद्यालयों से संबंधित अस्पतालों में भी पद रिक्त हैं। जगदलपुर के सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल का संचालन पीपीपी मोड पर किया जा रहा है। वहीं बिलासपुर सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के 227 पदों में से 30 कार्यरत हैं। 616 पदों वाले डीकेएस में 536 पद, सीएमसी दुर्ग में 536, कांकेर में 199, महाससमुंद में 560, अंबिकापुर में 416, राजनांदगांव में 444, रायगढ़ में 286, जगदलपुर के 713 पद में 366, कोरबा के 609 में 600, बिलासपुर के 642 में 235, रायपुर के चिकित्सा महाविद्यालय से संबंधित आंबेडकर अस्पताल में प्रथम से चतुर्थ वर्ग के 1276 स्वीकृत पदों में से 621 खाली हैं।

राज्य में वर्तमान में मौजूद हेल्थ सेंटर

तीन सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल के अलावा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों से संबंधित 10 हास्पिटल, 30 जिला अस्पताल, 22 सिविल हास्पिटल, 34 मातृ शिशु चिकित्सालय, 5 मानसिक चिकित्सालय, 199 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 820 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5170 उप स्वास्थ्य केंद्र यानी कुल 303 स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से लोगों को उपचार सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं विशेषज्ञ डॉक्टरों का अकाल

स्वास्थ्य सेवाएं के अंतर्गत विभिन्न शासकीय अस्पतालों में सेवा देने विशेषज्ञ चिकित्सकों के कुल 2041 स्वीकृत पद की तुलना में 413 डॉक्टर काम कर रहे हैं, यानी यहां 1637 विशेषज्ञों की कमी है। चिकित्सा अधिकारियों की 2707 सीवकृत पदों में 2400 काम कर रहे हैं। दंत चिकित्सकों के 180 पदों की तुलना में 106 डॉक्टर पदस्थ हैं तथा ग्रामीण चिकित्सा अधिकारी के 817 पद की तुलना में 624 कार्यरत हैं। राज्य में नर्सिंग संवर्ग के कुल 14829 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 5138 पद खाली हैं। वहीं तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के 22383 पदों में 9170 पद खाली हैं। जानकारों का कहना है कि 64 फीसदी कर्मचारियों की मौजूदगी से काम ठीकठाक चल रहा है, मगर जरूरत स्वीकृत सभी पदों पर भर्ती की है।

रायपुर जिला कांग्रेस ग्रामीण की कार्यकारिणी भंग, नई कमेटी बनाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठनात्मक अनुशासन, विस्तार एवं मजबूती को बनाए रखने के उद्देश्य से तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्पष्ट निर्देशों के बाद जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण की वर्तमान कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से पूर्णतः भंग कर दिया गया है। अब नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

श्री बंजारे कहा, यह निर्णय प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य है पार्टी में नई ऊर्जा, नई सोच और नई टीम का गठन करना। युवा, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, आदिवासियों एवं पिछड़े वर्गों के अधिक से अधिक समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी प्रदान करना। ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी समस्याओं जल, जंगल, जमीन, सिंचाई, बिजली, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, धान खरीदी में अव्यवस्था, नशा उन्मूलन आदि पर तेजी से जनआंदोलन एवं संगठित संघर्ष चलाना है। श्री बंजारे ने बताया, नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया तेज गति से प्रारंभ कर दी गई है।

लिए जाएंगे सुझाव

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, ब्लॉक, मंडल, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं सक्रिय साथियों से विस्तृत विचार-विमर्श एवं सुझाव लेकर योग्य, निष्ठावान एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं की नई टीम जल्द ही घोषित की जाएगी। इस प्रक्रिया में पारदर्शिता, समावेशिता एवं सक्रियता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रदेश कार्यसमिति से पहले परिचय के लिए होगी भाजपा संगठन की बड़ी बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन का प्रदेश कार्यसमिति करीब डेढ़ साल से नहीं हो सकी है। अभी और लंबे समय तक इसके होने की संभावना नहीं है। इधर कार्यसमिति के सदस्यों का ऐलान कर दिया गया। अब कार्यसमिति से पहले प्रदेश भाजपा संगठन कार्यकारिणी के सदस्यों के परिचय के लिए एक बड़ी बैठक करने की तैयारी में है। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सभी मंत्री, कई विधायक और सांसदों के साथ ही प्रदेश के संगठन के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे।

- बैठक में मुख्यमंत्री साय, प्रदेश के सभी मंत्रियों के साथ कार्यसमिति सदस्य और सभी पदाधिकारी रहेंगे

किरण देव को पूर्णकालिक अध्यक्ष बने एक साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन अब तक एक भी कार्यसमिति नहीं हो सकी है। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही आमतौर पर प्रदेश कार्यसमिति होती है। करीब डेढ़ साल से राष्ट्रीय कार्यसमिति भी नहीं हो सकी है। अब नितिन नवीन नए राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। उनकी कार्यकारिणी के बनने के बाद जब राष्ट्रीय कार्यसमिति होगी तब जाकर प्रदेश की कार्यसमिति होगी। इसके पहले कार्यसमिति के सदस्य छह माह लंबे इंतजार के बाद अब जाकर तय हुए हैं। लेकिन प्रदेश की कार्यसमिति के लिए अभी भी लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

पहले होगी बैठक

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी को बने भी छह माह से ज्यादा समय हो चुका है। अब कार्यसमिति के सदस्य भी तय हो गए हैं। ऐसे में भाजपा का प्रदेश संगठन अब कार्यसमिति से पहले सदस्यों के परिचय के लिए बैठक कराने की तैयारी में जुट गया है। इसको लेकर तैयारी चल रही है। संभावना है कि अगले माह यह बैठक होगी। इसमें सभी का परिचय होगा। कार्यसमिति में मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्री, सारे सांसद और कई विधायक भी शामिल हैं। ये भी परिचय वाली बैठक में रहेंगे। ऐसे में यह बैठक बड़ी होगी।

डेढ़ साल से नहीं हुई है कार्यसमिति

प्रदेश कार्यसमिति हर तीन माह में करने का प्रावधान तो है, लेकिन इसके लिए सबसे अहम यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही प्रदेश कार्यसमिति होती है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में जो तीन माह की कार्ययोजना तय होती है, उसी पर प्रदेश कार्यसमिति में चर्चा होती है। इसके बाद जिलों और फिर मंडल में कार्यसमिति होती है। छत्तीसगढ़ में सितंबर 2024 में भाजपा के सदस्य अभियान से पहले प्रदेश कार्यसमिति हुई थी, इसके बाद से करीब डेढ़ साल से कार्यसमिति नहीं हुई है। जानकारों का कहना है कि पहले कभी इतने लंबे समय तक कार्यसमिति का इंतजार करना नहीं पड़ा था। लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति न होने के कारण ऐसा हो रहा है।

कांग्रेस की मांग, चार सौ यूनिट तक हो बिजली बिल हॉफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, चार माह से आ रहे बेतहाशा बढ़े बिजली बिल से राज्य का हर नागरिक परेशान है। 200 यूनिट हॉफ बिजली योजना से भी कोई राहत नहीं है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार भूपेश सरकार के समय शुरू की गई बिजली बिल हॉफ योजना को फिर शुरू करे, ताकि जनता को बढ़े बिजली बिल में कुछ राहत मिल सके। बिजली बिल हॉफ योजना बंद करने के कारण जनता बिजली के बिल नहीं जमा कर पा रही, उनकी बिजली काटी जा रही है।

प्रदेश में हजारों उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन काट दिए गए हैं। श्री शुक्ला ने कहा राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली के दाम सबसे ज्यादा वर्तमान समय में हैं। सरकार ने 400 यूनिट बिजली बिल हॉफ योजना को बंद कर दिया, जिससे लोगों का बिजली का बिल दुगुने से भी अधिक आ रहा।

महंगी बिजली के बाद भी सरकार जनता को चौबीस घंटे बिजली नहीं उपलब्ध करा पा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में आठ-नौ घंटे तक हो रही बिजली कटौती से जनता परेशान है, लोग बिजली कटौती के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर हैं।

समाज के लिए बने प्रेरणा...साहू दंपति ने की अंगदान एवं देहदान की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छोटे से गांव में रहने वाले सोहनलाल और उनकी पत्नी ने मृत्योपरांत अंगदान एवं देहदान की घोषणा कर समाज के लिए अनूठी मिसाल पेश की है। बीमारी सहित अन्य कारणों ने दुखदायी जीवन व्यतीत कर रहे लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर उन्होंने यह फैसला लिया है। दान की भावना से प्रेरित सोहन साहू 14 बार रक्तदान कर भी चुके हैं।

- भावना ऐसी कि मृत्यु के बाद उनके अंग दे सकें दूसरों को नया जीवन

देश में प्रतिदिन लगभग 63 हजार लोगों को मृत्यु होती है, जबकि देहदान या अंगदान की दर प्रति 10 लाख आबादी पर 0.52 प्रतिशत के करीब है। हर साल लगभग 5 लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। मूलतः राजनांदगांव जिले के नवागांव के सोहनलाल साहू एवं उनकी पत्नी रुख्मणी साहू ने मरणोपरांत जरूरतमंदों को नया जीवन देने

के लिए अंगदान एवं शरीर दान करने की घोषणा की है। उनका मानना है कि उनकी मृत देह से चिकित्सा क्षेत्र के विद्यार्थियों को अध्ययन में मदद मिल सकेगी। इसके अलावा साहू दंपति मरणोपरांत शरीर दान एवं अंगदान कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। सोहन साहू कहते हैं, सामाजिक कुप्रथा मृत्युभोज न कर उस पैसे का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य एवं दूसरों की भलाई के लिए करना चाहिए। वे जरूरतमंदों को अब तक 14 बार रक्तदान कर लोगों नया जीवन दे चुके हैं।

देहदान करने वालों को राजकीय सम्मान

रुख्मणी साहू ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर कहा है कि एमपी, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, गुजरात जैसे राज्यों में शरीर दान, अंगदान करने वाले व्यक्ति को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाती है, मगर छत्तीसगढ़ में सिर्फ अंगदाताओं के परिजनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। यह समाज में जागरूकता लाने के लिए पर्याप्त नहीं है। अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी शरीर दान एवं अंगदान करने वाले व्यक्तियों को राजकीय सम्मान दिया जाना चाहिए, जिससे लोग निस्वार्थ भाव से शरीर दान, अंगदान के लिए आगे आएं।

पत्रकारवार्ता में प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को बताया ऐतिहासिक निर्णय

घर के भेदियों और धर्म विरोधियों से रहें सतर्क विधर्मियों की पहचान के लिए करेंगे प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पारित करने के लिए सीएम विष्णु देव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक सर्व समाज के लिए हितकारी है। मेरे पिता स्व. दिलीप सिंह जूदेव ने हमेशा धर्मांतरण रोकने का प्रयास किया। अब प्रदेश की भाजपा सरकार ने धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को पारित करते हुए उनके सपनों को साकार करते हुए सच्ची श्रद्धांजलि दी है। पत्रकारवार्ता में कई सवालों का उन्होंने बेबाकी से जवाब भी दिए। कहा कि घर के भेदियों और धर्म विरोधियों से अभी सतर्क रहने की जरूरत है। विधर्मियों की पहचान के लिए प्रयास किए जाएंगे। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जूदेव ने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पारित होने से न केवल जनजाति समाज, बल्कि प्रदेश की जनता को इसका लाभ मिलेगा। धर्मांतरण कराने वाले विधर्मियों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी। इस कानून को पारित होने से अब जनजातीय सहित सभी समाज के सांस्कृतिक विरासत एवं संस्कृति को पुनः सम्मान मिलेगा। साथ ही समाज के लोगों को अब प्रलोभन, दबाव एवं भ्रमित करके धर्मांतरित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए स्व. दिलीप सिंह जूदेव द्वारा आजीवन किए गए प्रयास और घर वापसी अभियान को संचालित किया जा रहा है। वनवासी कल्याण आश्रम के संस्थापक बाला साहेब देशपांडे एवं स्वामी अमरानंद के मार्गदर्शन में दिलीप सिंह जूदेव ने घर वापसी अभियान, पदयात्रा एवं सनातन जनजागरण आंदोलन जैसे कई प्रयासों के माध्यम विधेयक पारित कराने के लिए प्रयास किया।

विश्वास और संतुलन को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध होगा

उन्होंने विधानसभा में इस अत्यधिक प्रतीक्षित और आवश्यक धर्म स्वातंत्र्य संशोधन विधेयक के पारित किए जाने पर छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार जताया है। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जूदेव ने कहा कि मैं अपने स्व. पिता दिलीप सिंह जूदेव के सपने को साकार करने निरंतर प्रयासरत रहूंगा और घर वापसी का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। सनातन के अनुयायियों के हितों की मजबूती से सुरक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय से प्रदेश में धर्म, आस्था और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के साथ समाज में विश्वास और संतुलन को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध होगा।

लैब असिस्टेंट भर्ती परीक्षा में 52% नदारद, व्यापम ने पूछे-योग सूत्र, विदेशी बैंक सहित क्रिकेट से जुड़े सवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में रिक्त पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। व्यापम को इसके लिए प्रदेशभर से 16800 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 48 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा दिलाने पहुंचे। शेष 52 प्रतिशत ने परीक्षा छोड़ दी। इसके कारण कई परीक्षा केंद्र सूने-सूने रहे। व्यापम द्वारा नियमित रूप से सूचना प्रसारित किए जाते रहने तथा अभ्यर्थियों को आगाह किए जाने के कारण वस्त्रों के रंग पर किसी तरह की विवाद की स्थिति नहीं बनी। परीक्षा सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 1:15 बजे तक चली। इसके लिए प्रवेशपत्र 16 मार्च को व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए गए थे। रायपुर सहित प्रदेश के 5 संभागीय मुख्यालयों में केंद्र बनाए गए।

- राज्य में 16800 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन, इनमें 48% ही रहे उपस्थित

परीक्षा में 100 वस्तुनिष्ठ प्रशन शामिल रहे। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित था। रसायन विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान सहित सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे गए। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की गई मेरिट सूची से होगा। चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति 3 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर नियुक्ति की जाएगी। परीक्षा में शामिल हए छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों के उनके बैंक खाते में राशि सीधे लौटाई जाएगी।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अंतर्गत आयोजित हुई प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा

प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रारंभ

विभिन्न शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा की परीक्षाएं संपन्न होने के पूर्व ही व्यापम द्वारा प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। क्रमवार विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं के आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। व्यापम द्वारा इसके लिए पहले ही कैलेंडर घोषित कर दिया गया था। वर्तमान में डीएलएड, नर्सिंग, एमसीए के लिए आवेदन जारी हैं।

सामान्य ज्ञान के अंतर्गत इस तरह के सवाल

- प्रसिद्ध ग्रंथ योग सूत्र किसके द्वारा रचित है?
- किस विदेशी बैंक की भारत में शाखाएं हैं?
- रायपुर में स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का नाम बताइए।
- नोनी सुरक्षा योजना किस वर्ष लागू की गई?
- लिखापानी दर्रा कहां स्थित है?
- सल्तनतकालीन गुलामवंशीय शासक कौन थे?
- मेघालय की प्रमुख जनजातियां कौन सी हैं?
- चंद्रगुप्त मौर्य के प्रधानमंत्री कौन थे?

खबर संक्षेप

पंचमी पर होगा माता रानी का विशेष श्रृंगार

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे माना बस्ती गोवर्धन चौक निवासी देवनाथ (बड़कु) यादव एवं लक्ष्वंतीन यादव के निवास में पूज्य दिवंगतजनों के आशीर्वाद से चैत्र नवरात्र के पहले दिन से जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की कृपा और सुख-समृद्धि हेतु कलश स्थापना के साथ ही साथ ज्योत जवांरा स्थापित की गई है। रात को प्रतिदिन जसगीत के माध्यम से माता रानी की सेवा की जा रही है। आज सोमवार को पंचमी के अवसर पर मातारानी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। शहर समेत दूर-दराज से भी श्रध्दालुगण दर्शन के लिए माता रानी की दरबार पहुंच रहे है।

सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ के उमेश जिला अध्यक्ष

रायपुर। सतनामी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ रायपुर जिला इकाई के लिए हुए चुनाव में उमेश बर्मन जिला अध्यक्ष के रूप में चुने गए। बैलेट पद्धति से मतदान कराया गया, जिसमें 5 उम्मीदवारों ने इसके लिए नामांकन भरा। मतगणना के बाद उमेश बर्मन 88 वोट से विजयी घोषित किए गए। प्रदेश अध्यक्ष कमल कुर्रे ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। इस अवसर पर कोर कमेटी के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष राजा राज बंजारे, सचिव राकेश बघेल, जिला प्रभारी सीएल जोशी, हेमलाल भारती, उपकार सुल्तान, प्रवीण बंजारे, डिकेंस टंडन, ग्रामीण जिला अध्यक्ष अजय जांगड़े, सूरज जांगड़े सहित बड़ी संख्या में युवा सदस्य शामिल हुए।

पुष्पांजलि कार्यक्रम आज

रायपुर। शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस के मौके पर 23 मार्च को सुबह 11 बजे एसआरपी चौक शंकर नगर स्थित प्रतिमा स्थल में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित है। नगर निगम के संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह के सम्मान में पुष्पांजलि दी जाएगी। साथ ही प्रतिमा स्थल सहित आसपास के क्षेत्र की सफाई, पेयजल की व्यवस्था जोन-4 के सहयोग से की जाएगी।

रुपए के दाम गिरने से बढ़ेगी महंगाई

रायपुर। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपए की लगातार गिरती कीमत और इंडस्ट्रियल फ्यूल के दामों में भारी बढ़ोतरी आने वाले समय में देश की आम जनता पर महंगाई का बड़ा बोझ डालने वाली है। उन्होंने कहा कि रुपया लगातार कमजोर होकर रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच रहा है और यह साफ संकेत है कि आने वाले दिनों में उत्पादन, परिवहन और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी होगी। यदि कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आम आदमी पार्टी जनता के इन मुद्दों को लेकर सरकार से जवाब मांगेगी।

रेलवे ने एक महीने पहले दी सूचना, लेकिन अब वैकल्पिक ट्रेनों में लंबी वेटिंग

अप्रैल से मई तक दर्जनों ट्रेनें प्रभावित, शादी छुट्टियों का सीजन, नहीं मिल रहा कंफर्म टिकट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शादी-ब्याह के सीजन और गर्मी की छुट्टियों के बीच रेलयात्रियों की परेशानियां बढ़ने वाली हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और ईस्ट-कोस्ट रेलवे द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर किए जा रहे बुनियादी ढांचे के विकास और यात्री सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण कार्यों के कारण अप्रैल से मई के बीच कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इन कार्यों के चलते कई ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द या परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी।

इस अवधि में ट्रेनों की संख्या कम होने के कारण यात्रियों को भीड़ और कंफर्म टिकट पाने कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। जिस रूट की ट्रेन अप्रैल व मई में रद्द है, उस रूट की वैकल्पिक ट्रेनों में वेटिंग शुरू हो चुकी है। ऐसे में अब लोग फ्लाइट, बस में सफर की योजना बना रहे हैं। शादियों के सीजन में दिल्ली, मुंबई समेत प्रदेश के शहरों के लिए चलने वाली ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव

गोंदिया में चल रहे कार्य के कारण कुछ ट्रेनों के मार्ग में भी परिवर्तन किया गया है। रीवा-इतवारी-रीवा एक्सप्रेस मई में निर्धारित तिथियों पर गोंदिया के बजाय जबलपुर-नैनपुर-बालाघाट मार्ग से संचालित होगी। इसके अलावा बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस 2 मई से 23 मई तक दुर्ग और गोंदिया के बीच रद्द रहेगी। वहीं मुंबई-गोंदिया एक्सप्रेस अंजनी और गोंदिया के बीच रद्द रहेगी। जबलपुर-गोंदिया पैसेंजर तथा तिरोड़ी और कटंगी की मेमू व डेमू सेवाएं गोंदिया और बिरसोला के बीच रद्द रहेंगी और इन ट्रेनों का संचालन बिरसोला तक ही सीमित रहेगा।

चार अप्रैल से दिल्ली मुंबई का सफर मुश्किल

अप्रैल में दिल्ली और मुंबई जाने वाले यात्रियों की तकलीफ बढ़ने वाली है। 4 से 24 अप्रैल के बीच शालीमार, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, गोंडवाना, लोकमान्य तिलक टर्मिनल, समता एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें रद्द रहेंगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल अंतर्गत गोंदिया स्टेशन पर लाइन नंबर-5 (प्लेटफॉर्म-3) पर स्थित वॉशेबल एप्रन को डिस्मेंटलिंग कर उसे बैलेस्टेड ट्रैक में परिवर्तित करने के लिए कार्य किया जाएगा। इस वजह से ट्रेन प्रभावित रहेगी।

पुरी स्टेशन पर प्लेटफार्म उन्नयन

पुरी स्टेशन के आधुनिकीकरण और प्लेटफार्म उन्नयन कार्य के चलते मार्च से मई तक कई लंबी दूरी की ट्रेनें पुरी तक नहीं जाएंगी। इन ट्रेनों को पहले के स्टेशनों से संचालित किया जाएगा। लोकमान्य तिलक टर्मिनस, गांधीधाम और वलसाड से आने-जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनें अब पुरी के बजाय साक्षी गोपाल स्टेशन से संचालित होंगी। वहीं इंदौर-पुरी और पुरी-श्री गंगानगर एक्सप्रेस ट्रेनें बीर पुरुषोत्तमपुर स्टेशन से ही प्रारंभ और समाप्त होंगी।

गोंदिया स्टेशन पर वॉशेबल एप्रन निर्माण

नागपुर रेलमंडल के अंतर्गत गोंदिया स्टेशन की लाइन संख्या-6 (प्लेटफार्म नंबर-4) पर वॉशेबल एप्रन निर्माण का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 3 मई से 24 मई तक चलेगा, जिसके कारण इस अवधि में कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस 24 मई तक रद्द रहेगी, जबकि रायपुर-इतवारी पैसेंजर 23 मई तक रद्द रहेगी। इसके अलावा गोंदिया-डोंगरगढ़, गोंदिया-इतवारी और इतवारी-बालाघाट ट्रेन का संचालन भी पूरी तरह बंद रहेगा।

यात्रियों के लिए राहत व्यवस्था

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोरबा-बिलासपुर के बीच हसदेव एक्सप्रेस को पैसेंजर ट्रेन के रूप में चलाने का निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय यात्रियों को कुछ राहत मिल सके। हालांकि पीक सीजन के दौरान ट्रेनों की संख्या कम होने से यात्रियों को यात्रा के लिए योजना बनाने में अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

अकलतरा स्टेशन पर चौथी लाइन कनेक्टिविटी कार्य

बिलासपुर-झारसुगुड़ा सेक्शन के अकलतरा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग और चौथी लाइन कनेक्टिविटी का कार्य किया जाएगा। यह कार्य 30 मार्च से 11 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान बिलासपुर-रायगढ़ मेमू, रायपुर-गेवरारोड मेमू और रायपुर-कोरबा पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। वहीं गोंदिया-झारसुगुड़ा पैसेंजर ट्रेन बिलासपुर तक ही संचालित होगी।

रीवा कनेक्टिविटी से करना होगा संतोष, समर शेड्यूल में अब नई फ्लाइट की संभावना कम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

इस बार लागू होने वाले समर शेड्यूल में कुछ दिन पहले शुरू हुई रीवा-रायपुर फ्लाइट से ही संतोष करना पड़ेगा। माह के अंत से लागू होने वाले इस शेड्यूल के दौरान अन्य नई फ्लाइट शुरू होने की संभावना कम है। बंद हुई प्रयागराज और जगदलपुर की उड़ान पुनः प्रारंभ होने के आसार ना के बराबर हैं। मुंबई की चौथी नियमित उड़ान की योजना भी इस सीजन में ठंडे बस्ते में रहने की संभावना है। साल में दो बार ठंड और गर्मी के मौसम में विमानों की आवाजाही में एयरलाइंस कंपनियां बदलाव करती हैं। इस दौरान कई नए शहरों के लिए भी फ्लाइट का संचालन शुरू किया जाता है। रायपुर से इस बार भी नई उड़ान समर शेड्यूल में प्रारंभ होने के आसार नहीं हैं।

ट्रैवल्स कारोबारियों द्वारा हमेशा की तरह नए शहरों के लिए विमान शुरू करने प्रस्ताव भेजा गया था, जिस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। रायपुर से प्रयागराज को जोड़ने के लिए एकमात्र फ्लाइट का संचालन किया जाता था, जिसे तकनीकी कारणों से बंद कर दिया गया। जगदलपुर-रायपुर के बीच भी उड़ान कम यात्री के कारण होने वाले नुकसान की वजह से ग्राउंड हो गई। इन फ्लाइट की गर्मी के सीजन में शुरू होने वाली उड़ान के दौरान वापस आने के आसार थे, मगर ऐसा होने की संभावना कम है। विमानन कंपनियां अपनी नई फ्लाइट की घोषणा काफी समय पहले कर देती हैं, समर शेड्यूल शुरू होने में सप्ताहभर का समय शेष है, मगर कंपनियों की ऐसी कोई सुगबुगाहट सामने नहीं आई है। समर शेड्यूल के पहले क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत रीवा-रायपुर के बीच फ्लाइट शुरू की गई थी।

सूखे नशे पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई 12 लोकल और अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी रायपुर में मादक पदार्थों का अवैध कारोबार रोकने पुलिस कमिश्नरेट के नार्थ, सेंट्रल तथा वेस्ट जोन के डीसीपी, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के साथ क्राइम की टीम ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर एक महिला सहित 12 तस्करों की गिरफ्तारी की है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 42 किलो गांजा के साथ 22 सौ नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट तथा 1.53 ग्राम एमडीएमए जब्त की है। जब्त मादक पदार्थों की कीमत 30 लाख रुपए आंकी गई है। कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक मडिकल स्टोर में छापे की कार्रवाई करते हुए 1700 सौ नग नशीली टेबलेट जब्त करते हुए मेडिकल स्टोर संचालक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मेडिकल स्टोर को सील कराने, कार्रवाई करने की बात कह रही है। गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने अटेंडर के माध्यम से 1.53 ग्राम एमडीएमए मंगाकर बेचने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इसी तरह से पंडरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने चारपहिया वाहन में गांजा तस्करी करते पांच इंटरस्टेट तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों से देश के अलग-अलग राज्यों में गांजा तस्करी करने के पुलिस को प्रमाण मिले हैं। तस्करों के कब्जे से पुलिस ने एक लाख रुपए नकदी भी जब्त की है। डीडीनगर पुलिस ने पांच सौ नग नाइट्रोसेन-10 के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- पुलिस कमिश्नरेट के तीनों जोन में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, क्राइम के साथ पुलिस टीम की कार्रवाई

मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में इनकी गिरफ्तारी

- कोतवाली - कयामुद्दीन, दयाल कुमार उदासी, मनीष आहूजा
- गंज- अनिकेत शुक्ला, मीत अंदानी
- पंडरी - कीर्तन खर्सेल, प्रदीप जैन, मोहनपुर यादव, आकाश शिंदे, गायत्री कलेत
- डीडीनगर - गोपाल आसुदानी उर्फ सोमू, आलोक दुबे उर्फ शुभम।

ज्यादातर तस्करों का पुराना रिकार्ड

मादक पदार्थ तस्करी करने वाले जिन लोगों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। उनमें से ज्यादातर का तस्करी के साथ मारपीट तथा अन्य अपराध का पुराना पुलिस रिकार्ड रहा है। पंडरी थाना क्षेत्र में गांजा तस्करी के आरोप में इंटरस्टेट तस्करों के साथ रायपुर के लोकल तस्कर एनडीपीएस एक्ट के फरार आरोपी कीर्तन खर्सेल को गिरफ्तार किया है। खमतराई थाना क्षेत्र में पुलिस ने गांजा का रैकेट चलाने वाले पूर्व में गिरफ्तार उदय जैन के भाई प्रदीप जैन उर्फ मोंटू को गिरफ्तार किया है।

हिस्ट्रीशीटर के पकड़े जाने पर खुला महिला की हत्या का राज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र के पटेल चौक में पांच वर्ष पूर्व महिला की हत्या तथा लूट की हत्या की गुत्थी आखिरकार गुजरात पुलिस ने अनजाने में सुलझा ली है। गुजरात, अहमदाबाद पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने रायपुर में अपने साथियों के साथ मिलकर एक महिला की हत्या कर 10 लाख रुपए कैश तथा 35 तोला सोने के जेवर लूटने का अपराध कबूल किया। अहमदाबाद पुलिस की सूचना पर रायपुर पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने रवाना हो गई है।

- गुजरात पुलिस को दी सुपारी किलिंग की जानकारी

अक्टूबर 2021 में शकुंतला देवी की हत्या करने के आरोप में अहमदाबाद पुलिस ने अजय कुमार उर्फ लक्ष्मीसागर उर्फ राजनारायण मिश्रा को गिरफ्तार किया है। अजय ने पुलिस को बताया कि शकुंतला तथा उसके छोटे बेटे अमित का अजय यादव के साथ पारिवारिक संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। उसी मामले को सुलझाने महिला ने हिस्ट्रीशीटर को चार लाख रुपए की सुपारी दी थी।

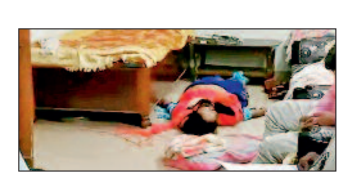

पैसे लेकर जाने के बाद महिला अहमदाबाद पहुंच गई

हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस को बताया कि अजय यादव को समझाने के नाम पर महिला से चार लाख रुपए लेने के बाद अहमदाबाद चला गया। हिस्ट्रीशीटर के वापस अहमदाबाद जाने की जानकारी मिलने के बाद शकुंतला देवी उसके बारे में जानकारी जुटाते हुए अहमदाबाद पहुंच गई और वह वहां हिस्ट्रीशीटर से रकम वापस लौटाने या काम पूरा करने दबाव बनाया।

साथी के साथ लूट की नीयत से रायपुर पहुंचा

हिस्ट्रीशीटर ने शकुंतला देवी के बारे में पूरी जानकारी हासिल की। इसके बाद वह अपने एक अन्य साथी केतन उर्फ केटी के साथ रायपुर पहुंचा और और दोनों रायपुर पहुंचने के बाद महिला के घर में ही रुके। मौका मिलते ही दोनों महिला की गला दबाकर हत्या करने के बाद घर से कैश तथा सोने के जेवर लेकर फरार हो गए। अमित को हिस्ट्रीशीटर के रायपुर आने की जानकारी नहीं थी।

गुजरात के संदेहियों के नाम की चर्चा शुरू से रही

इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने पुलिस लगातार तीन साल तक मेहनत करती रही, लेकिन अंधेरे में लाठी पीटती रही। जांच के शुरुआती दौर में आरोपियों के गुजरात के होने की चर्चा थी, लेकिन पुलिस ने इस दिशा में जांच करने में कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई। इसके चलते इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी अब तक नहीं सुलझ पाई थी। हिस्ट्रीशीटर अगर गुजरात पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ता तो इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी अब तक नहीं सुलझती।

पेज 09 के शेष ...

पटरी पर आ रहा ...

कि इस ट्रेन का कहां से कहां तक चलाया जाना है। एजेंसियों के चयन के लिए अब टेंडर निकालने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ में मेट्रो ट्रेन चलाने का सपना लंबे अरसे से फाइलों में तैर रहा है, लेकिन अब इसे पटरी पर लाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। मेट्रो ट्रेन का संचालन स्टेट कैपिटल रीजन यानी एससीआर के माध्यम से होगा। एससीआर प्राधिकरण के अध्यक्ष राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हैं, उनकी अध्यक्षता में प्राधिकरण की पहली बैठक पिछले दिनों हो चुकी है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो इसी पहली बैठक में मेट्रो संबंधी प्रस्तावों पर अनुमोदन किए गए हैं।

सबसे पहले होगा...

उद्देश्य इन शहरों को एक एकीकृत शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित करना है, जिससे परिवहन व्यवस्था मजबूत हो और यातायात दबाव कम हो सके।

इस मॉडल पर बनेगी...

यह अथॉरिटी मेट्रो प्रोजेक्ट सहित पूरे क्षेत्र के समेकित विकास की जिम्मेदारी संभालेगी।

मई में होगी 10वीं ...

प्रदर्शन में सुधार का एक और अवसर देना है। छात्र अधिकतम तीन विषयों में ही सुधार परीक्षा दे सकेंगे। सीबीएसई ने 25 जून 2025 को इस नीति की घोषणा की थी। इसके तहत कक्षा 10 के छात्रों को पहले मुख्य (फरवरी-मार्च) परीक्षा देनी होगी। इसके बाद जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे मई 2026 में आयोजित होने वाली सेकेंड बोर्ड परीक्षा में शामिल होकर अपने रिजल्ट को बेहतर कर सकते हैं। सीबीएसई ने एलओसी जमा करने के लिए तीन चरण तय किए हैं।

पहला चरण 18 मार्च से 31 मार्च तक, दूसरा चरण मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित होने के अगले दिन से 5 दिन तक और तीसरा चरण परिणाम घोषित होने के 7वें दिन से 2 दिन तक रहेगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अंतिम दिन रात 11:59:59 बजे तक ही पोर्टल खुला रहेगा। समय सीमा के बाद कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

विषय बदलने की...

नहीं होगा। यह सालभर की प्रक्रिया होती है, इसलिए इसमें बदलाव की अनुमति नहीं दी गई है। 300 रुपए प्रति विषय के अनुसार छात्रों को भुगतान करना होगा। विलंब शुल्क के रूप में 2000 रुपए अतिरिक्त देना होगा। फीस केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा होगा।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता श्री श्री नंद कुमार पटेल, उम्र 55 वर्ष पिता- श्री कमल सिंग पटेल निवासी-32/1237 इंद्रा चौक, श्याम नगर, तेलीबांधा रायपुर, तह. व जिला रायपुर छ.ग. के हक एवं स्वामित्व की संपत्ति ग्राम सेजबाहर, प.ह.नं. 00082, रा.नि.मं- रायपुर-18 कांदुल, खसरा नंबर 15015/91, रकबा 1500 वर्गफुट भूमि तह व जिला रायपुर छ.ग. स्थित है को मेरे पक्षकार को विक्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है एवं मेरे पक्षकार ने अग्रिम बयाना राशी विक्रेता को अदा कर दिया है अब मात्र बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

उपरोक्त वर्णित संव्यवहार या किसी भाग के संबंध में जिस व्यक्ति, संस्था, फर्म, बैंक, महाजन, बोर्ड, पंचायत प्राधिकरण, शासकीय वम अर्ध शासकीय निकाय जिस किसी को आपत्ति हो, सात दिन के भीतर में वैध एवं असल दस्तावेजों को प्रत्यक्ष रूप से मेरे कार्यालय में उपस्थित हो कर आपत्ति प्रस्तुत व दर्ज करावें नियत समय अवधि पश्चात प्रस्तुत की गई आपत्ति स्वमेव शून्य होगी एवं अवैध समझी जावेगी व मेरे पक्षकार पर बंधन कारी नही होगी म्याद बाद मेरे पक्षकार द्वारा उपरोक्त सम्पत्ती को अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करा लिया जावेगा। सो सूचना जाने

रायपुर दिनांक 22.03.2026

पारेश्वर बाघ (अधिवक्ता)
सिद्धेश्वरी मंदिर के पास वार्ड न. 23 कोटा रायपुर छ.ग. 492010
मो.नं.- 9300290440, 9179548440, 9301649380

नगर निगम-ग्रीन आर्मी ने गदही तालाब में चलाया सफाई अभियान गंदगी-कचरा निकाला

रायपुर। नगर निगम जोन 8 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार को रायपुरा के गदही तालाब को स्वच्छ रखने संस्था ग्रीन आर्मी के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाया। सफाई मित्रों और जेसीबी मशीन की सहायता से तालाब के किनारे फैले हुए कचरे को इकट्ठा कर उसे तत्काल उठाकर स्वच्छता कायम की गई।

- नगर निगम ने ग्रीन आर्मी संस्था के साथ मिलकर चलाया सफाई अभियान

माधवराव सप्रे वार्ड स्थित गदही तालाब में फैली गंदगी और कचरा निकालने विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस कार्य में ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के स्वयंसेवकों ने जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गदर्शन में जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वास्थ्य निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में तालाब सफाई में सहभागिता निभाई। इस मौके पर लोगों को तालाब में कचरा न फेंकने और गंदगी न फैलाने की अपील की गई। इस मौके पर जोन अध्यक्ष प्रीतम ठाकुर, वार्ड पार्षद महेंद्र औसर और जोन 8 के अधिकारी-अधिकारी उपस्थित रहे।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

निगम बजट 30 को, पिछले साल किए थे दर्जनभर से ज्यादा वादे, आधे में ही हुआ काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

महापौर मीनल चौबे 30 मार्च को अपने कार्यकाल का दूसरा निगम बजट प्रस्तुत करेंगी। सदन में यह दूसरा मौका होगा, जब शहरी सरकार सदन में फायदे का बजट प्रस्तुत करने की तैयारी में है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट वाली सामान्य सभा के लिए 17 एजेंडे तय किए गए हैं, इनमें से ज्यादातर एजेंडे नामकरण और महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाने से संबंधित हैं। नगर निगम के राजस्व बढ़ाने और आम जनता से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं को लेकर एजेंडे कम हैं।

शहर की मुखिया के रूप में मीनल चौबे ने अपने पहले निगम बजट में फायदे का बजट देते हुए ने शहर की जनता से दर्जनभर से ज्यादा वादे किए, उनमें से 50 फीसदी घोषणाओं पर काम शुरू भी हुआ, बाकी के 50 फीसदी घोषणाएं ऐसी भी रही हैं, जो बजट के पिटारे से बाहर नहीं निकल पाईं। इस बार राज्य शासन ने अपने बजट में रायपुर नगर निगम को 450 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। ऐसे में दर्जनभर शहरहित से जुड़े प्रस्ताव इस बार के निगम बजट में शामिल किया जाना तय है।

इन वादों पर शुरू हुआ काम

- युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी और अध्ययन की सुविधा के लिए नालंदा परिसर की तर्ज पर 2 सेंट्रल लाइब्रेरी निर्माण का कार्य। जीई रोड में साइंस कॉलेज चौपाटी वाले स्थल पर नालंदा पार्ट-2 और दलदल सिवनी में नई लाइब्रेरी का निर्माण शुरू किया गया है।
- शहर के 3 स्थानों पर वर्किंग वूमन हॉस्टल निर्माण, इनमें नरैया तालाब के पास और पंडरी इलाके में वर्किंग वूमन हॉस्टल का निर्माण अनुबंधित एजेंसी ने शुरू किया है, भैंसथान वाली जमीन पर निर्माण प्रस्तावित है।
- तालाबों को जलकुंभी से मुक्त कराने मशीन क्रय करने टेंडर, एजेंसी तय करने की तैयारी।
- शहर के मुख्य मार्गों की यांत्रिक पद्धति से सफाई कार्य का विस्तार, मैकेनाइज्ड स्वीपिंग का बढ़ाया दायरा।
- आम जनता की सुविधा के लिए शहर के सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों के पास 13 आकांक्षी शौचालय का निर्माण।

- 2026-27 के नगर निगम बजट को लेकर सुगबुगाहट
- बजट वाली सामान्य सभा में ज्यादातर एजेंडे नामकरण और महापुरुषों के प्रतिमाएं लगाने से संबंधित
- 17 एजेंडे तय, निगम का राजस्व बढ़ाने और बुनियादी सुविधाओं को लेकर एजेंडे कम

50 फीसदी वादे हवा-हवाई, पिटारे से बाहर ही नहीं निकले

- मोवा क्षेत्र में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने गारमेंट फैक्ट्री का संचालन, राज्य शासन के बजट में 10 करोड़ का प्रावधान
- बूढ़ापारा स्थित आउटडोर स्टेडियम परिसर में यूथ हॉस्टल का प्रोजेक्ट
- डूमरतराई का बहुमंजिला इलेक्ट्रॉनिक मार्केट
- दिव्यांग पार्क के लिए 10 करोड़ रुपए का प्रावधान
- चिंगरीनाला का ओवरफ्लो पानी खारुन में जाने से रोकने नाला लाइनिंग, चैंबर निर्माण, वियर की ऊंचाई बढ़ाने 18 करोड़ का प्रस्ताव
- गौरवपथ 2 और सड़क चौड़ीकरण, बूढ़ापारा के बिजली आफिस चौक से पचपेड़ी नाका तक
- गीले कचरे से बायोगैस बनाने का काम
- शहर के नाले-नालियों को ढंकने का काम
- सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा के लिए सर्विलांस कैमरे, 20 लाख रुपए का रखा गया बजट
- सड़क पर लगने वाले बाजारों की शिफ्टिंग का वादा
- पंडरी के प्रगति खेल मैदान को उन्मुक्त खेल मैदान बनाने की घोषणा
- 9 खेल मैदानों में प्रकाश की व्यवस्था
- निगम की आय बढ़ाने 200 करोड़ का निगम बांड अब तक जारी नहीं

खबर संक्षेप

चौहान समाज ने पूर्व सीएम बघेल से की मुलाकात

रायपुर। अपनी मांगों को लेकर चौहान समाज के पदाधिकारियों ने विगत दिनों पूर्व मुख्यमंत्री व पाटन विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूपेश बघेल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान समाज के पदाधिकारियों ने पाटन के जामगांव में सामाजिक भवन में रसोई कक्ष और शौचालय का निर्माण के लिए मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सहर्ष आवेदन व निर्माण का आश्वासन दिया। मुलाकात करने वालों में समाज के अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह चौहान, बीरबल सिंह चौहान, सतानंद सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति रहें जागरूक : डॉ मिश्र

रायपुर। प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ एवं अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति द्वारा धरसींवा विकासखंड ग्राम गोढ़ी मोहदी के शासकीय विद्यालय में रविवार को जिला स्तरीय महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने जिला स्तरीय महिला जागृति शिविर में कहा कि महिला जागृति का अर्थ है, महिलाओं को उनके अधिकारों, उनकी क्षमताओं और उनके सामाजिक महत्व के बारे में जागरूक करना। डॉ. मिश्र ने विभिन्न सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वासों के संबंध में चर्चा करते हुए कहा, जादू-टोने जैसी मान्यताओं का कोई अस्तित्व नहीं है, यह सिर्फ अंधविश्वास है। यह सब बंद होना चाहिए। कार्यक्रम में आयुक्त महादेव कावरे, पूर्व आईएएस इंदिरा मिश्र, महिला एवं बाल विकास विभाग से ए. श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

रसोई गैस का अवैध कारोबार, 16 सिलेंडर बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रसोई गैस की किल्लत का फायदा उठाकर ब्लैक में बेचने के आरोप में खमतराई पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से 16 नग रसोई गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। जब्त रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 64 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी ने बल्क में रसोई गैस सिलेंडर की व्यवस्था कहां से की, पुलिस इस संबंध में पूछताछ करने की बात कह रही है।

रसोई गैस के अवैध भंडारण तथा बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने संजय साव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बंजारी मंदिर के पास छापा मारकर गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, संजय साव जरूरतमंदों को तीन से चार हजार रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करा रहा था।

जिनके पास सिलेंडर नहीं, उनसे मनमानी वसूली : जिनके पास रिफिल नहीं है, संजय उन लोगों को भी गैस सिलेंडर देता था। बदले में खाली गैस सिलेंडर के बदले तीन से चार हजार रुपए अलग से लेता था। खाली सिलेंडर वापस देने पर वह उन्हें अमानत की राशि वापस लौटाता था। संजय जरूरतमंदों को मनमानी कीमत पर रसोई गैस देने के साथ ही सिलेंडर से दो से तीन किलो गैस दूसरे सिलेंडर में ट्रांसफर कर अतिरिक्त कमाई करता था।

सिंडीकेट बनाकर मुनाफाखोरी का जमकर चल रहा खेल

वजन कम करके दाम बढ़ाने का खेल इसलिए महंगे हुए खाद्य तेल, बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

ईरान-अमेरिका, इजरायल युद्ध के मौके का पूरा फायदा उठाने का काम चल रहा है। किराना सामग्री में भी सिंडीकेट बनाकर दाम बढ़ाने का खेल किया जा रहा है। अब तो एक लीटर के स्थान पर कंपनियां अपनी मर्जी से वजन कम करके खाद्य तेलों के दाम ज्यादा वसूल रही हैं। इसका फायदा छोटे से लेकर बड़े कारोबारी भी उठा रहे हैं। एक माह के अंदर ही सोयाबीन और राइसब्रान तेलों के दाम 30 रुपए तक बढ़ा दिए गए हैं। इसी के साथ 15 किलो के टिन के दाम भी चार से पांच सौ रुपए तक दाम बढ़ा दिए गए हैं।

लंबे समय से महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। कभी कोई सामान तो कभी कोई सामान महंगा हो जाता है। कई बार दाम बढ़ने के पीछे कारण भी रहता है, लेकिन ज्यादातर मौकों पर सिंडीकेट बनाकर ही दाम बढ़ाने का काम किया जाता है। खाद्य तेलों में लंबे समय से राहत थी, लेकिन अब इसके दाम भी बढ़ गए हैं। इसके पीछे का कारण भले युद्ध को बताया जा रहा है, लेकिन इसके दाम में लगातार खेल हो रहा है। एक ही माह में तीन बार दाम बढ़े हैं।

एक माह में बढ़ा दिए सोयाबीन और राइसब्रान तेलों के 30 रुपए दाम

कम वजन में ऐसा खेल

खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पैक आते थे, लेकिन सरकार से छूट मिलने के बाद इसकी पैकिंग अब अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही हैं तो इसमें कीमत का खेल हो रहा है। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे हैं। एक तो दाम पहले ही ज्यादा वसूले जा रहे हैं। एक उदाहरण हरेली तेल का ही लेते हैं। इस तेल के दाम हमेशा कीर्ति गोल्ड के सोया तेल से कम से कम पांच रुपए कम रहते हैं, लेकिन अब इसके दाम उससे ज्यादा हो गए हैं। इसके पीछे वजन का खेल है। हरेली ने अब एक लीटर का पैक ही इस माह से बंद कर दिया है। अब 730 ग्राम यानी 800 एमएल का पैक लाया गया है। इसके चिल्हर में दाम 130 रुपए हैं। यानी एक लीटर के दाम हो गए 162.50 रुपए। इतने दाम तो कीर्ति गोल्ड के भी नहीं हैं। कीर्ति गोल्ड एक लीटर का इस समय चिल्हर में 155 से 160 रुपए बिक रहा है। ज्यादातर कंपनियों ने अपने एक लीटर के पैक को कम वजन का कर दिया है तो उसके दाम बढ़ गए हैं। सोया का फार्च्यून 840 एमएल का आ रहा है। इसके दाम थोक में 142-43 रुपए और चिल्हर में 150 रुपए है। इसके एक लीटर के दाम का हिसाब किया जाए तो यह 175 रुपए का पड़ रहा है। सनफ्लॉवर का 800 एमएल का पैक थोक में 163 और चिल्हर में 170 रुपए का मिल रहा है, यानी इसका एक लीटर का पैक 212.50 रुपए का पड़ेगा। यह तेल तो फल्ली तेल से भी महंगा हो गया है। फल्ली तेल इस समय चिल्हर मे 190 रुपए में मिल रहा है।

130 वाला तेल अब 160 रुपए

एक माह पहले फरवरी में जिन तेलों के दाम चिल्हर में 128 से 130 रुपए थे, उनके दाम आज चिल्हर में 160 रुपए हो गए हैं। हरेली तेल जहां 162.50 रुपए हो गया है, वहीं कीर्ति गोल्ड के दाम भी 160 रुपए हो गए हैं। इसके दाम और बढ़ने की संभावना है। कीर्ति गोल्ड का 15 किलो वाला टिन थोक में 2160 से 2520 रुपए किया गया था। चिल्हर में यह 2600 से 2650 रुपए में बिक रहा है। एक दिन पहले इसके दाम 2500 सौ रुपए थे। एक ही दिन में इसके दाम 150 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। सोया और राइसब्रान तेलों के ही दाम बढ़े हैं, क्योंकि इनका उपयोग ही घरों के साथ रेस्टोरेंट और होटलों में ज्यादा होता है।

पानी टंकी में डूबने से एक साल के मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- घटना राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह की
- मृतक मासूम अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अमलीडीह में रविवार दोपहर 12 बजे एक साल के मासूम की पानी टंकी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय बच्चे की मां काम पर गई थी। इस दौरान बच्चा खेलते हुए पानी टंकी के पास पहुंच गया और टंकी में गिर गया। काफी देर तक बच्चे के नहीं मिलने के बाद परिजनों ने बच्चे की खोजबीन की तो बच्चा पानी में डूबा मिला। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मर्ग कायम कर बच्चे की लाश को पोस्टमार्टम के लिए मरच्यूरी भेज दिया है।

पानी टंकी में डूबने से अमलीडीह, गांधीनगर निवासी इराज साहू की मौत हुई है। इराज के पिता रोहित ने पुलिस को बताया कि घर के सभी लोग अपने काम में व्यस्त थे। इस दौरान इराज खेलते हुए घर के अंदर जमीन पर बनी पानी टंकी के पास खेलते हुए पहुंच गया और टंकी में गिर गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि घर में छोटा बच्चा होने की वजह से वे पानी टंकी को वो हमेशा ढंककर रखते थे। वर्तमान में गलती से ढक्कन बंद करना भूल गए थे। उसी गलती के चलते एक परिवार ने घर का चिराग खो दिया।

परिजनों की नजर आखिरी में खुली टंकी पर पड़ी

पड़ोसियों के अनुसार, काफी देर तक इराज के नहीं दिखने पर परिजनों ने आस-पड़ोस में खोजबीन की। साथ ही इराज जिन घरों में खेलने जाता था, उन घरों में जाकर अपने लाल को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन कहीं भी उन्हें इराज नहीं मिला। इसी दौरान परिजनों की नजर घर की पानी टंकी पर पड़ी। परिजनों ने पानी टंकी में डंडा डालकर देखा तो उन्हें इराज की लाश पानी में डूबती-उतराती दिखी। आनन-फानन में परिजन इराज को उपचार कराने आंबेडकर अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दगाबाज दोस्त, एसीबी-ईओडब्लू का भय दिखाकर रिटायर इंजीनियर से साढ़े नौ लाख ठग लिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पीड़ित का करीबी दोस्त गिरफ्तार

लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता को उनके ही एक करीबी दोस्त ने एसीबी-ईओडब्ल्यू की कार्रवाई का भय दिखाते हुए ब्लैकमेल कर 9.50 लाख रुपए की ठगी की है। सेवानिवृत्त इंजीनियर की शिकायत पर राखी पुलिस ने आरोपी को जगदलपुर से गिरफ्तार किया है। पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त देवलाल सिंह टेकाम की शिकायत पर पुलिस ने धर्मेंद्र सिंह चौहान को गिरफ्तार किया है। देवलाल सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके पास 28 जनवरी को दो अलग-अलग मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने एसीबी-ईओडब्लू का अफसर होने की धौंस दिखाते हुए श्री टेकाम को उनके खिलाफ शिकायत दर्ज होने की धमकी दी। इसके बाद देवलाल ने इसकी शिकायत थाने में की तो जांच में पता चला कि जिन दो नंबरों से देवलाल सिंह को कॉल किया गया है, वह साइबर फ्रॉड करने के लिए है।

जानकारी मिलने पर दोस्त ने रची साजिश

देवलाल ने अपने पास अज्ञात नंबर से आए कॉल तथा उनसे बातचीत की जानकारी अपने मित्र धर्मेंद्र को दी। इसके बाद धर्मेंद्र ने इस बात का फायदा उठाते हुए देवलाल को उनके पास जिस नंबर से कॉल आया था, उसे ब्लॉक करने के लिए कहा। इसके बाद धर्मेंद्र ने अपने एक महिला मित्र के नाम से सिम लिया। महिला मित्र के नाम से लिए गए सिम से धर्मेंद्र ने देवलाल को वाट्स एप मैसेज भेजा। साथ ही उसी नंबर से धर्मेंद्र ने देवलाल को एसीबी-ईओडब्ल्यू के नाम से शिकायत की कॉपी भेजकर ईओडब्लू का अधिकारी बनकर कॉल कर धमकी दी।

धमकाने के बाद साढ़े नौ लाख ठग लिए

धमकी से बुरी तरह सहमे देवलाल ने मामला रफा-दफा करने के बारे में पूछा तो फर्जी ईओडब्ल्यू अधिकारी बने धर्मेंद्र ने मामला निपटाने दस लाख रुपए की मांग की। अंत में मोलभाव करने के बाद साढ़े नौ लाख रुपए में सौदा तय हुआ। फर्जी अफसर बनकर कॉल करने वाले धर्मेंद्र ने देवलाल को रकम धर्मेंद्र के पास छोड़ने कहकर देवलाल से साढ़े नौ लाख रुपए हासिल कर लिए।

देवलाल की कमजोरी का उठाया फायदा

धर्मेंद्र जगदलपुर में टेंट का कारोबार करने के साथ ही देवलाल की कृषि भूमि की देखरेख भी करता था। धर्मेंद्र को देवलाल की कमजोरी के बारे में पहले से जानकारी थी। इसी बात का फायदा उठाने उसने देवलाल के साथ ठगी करने की योजना बनाई। धर्मेंद्र को रुपए देने के बाद देवलाल को अपने साथ ठगी होने की आशंका हुई और उसने पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ।

शहर में रामनवमी और महावीर जयंती पर मांस-मटन की बिक्री प्रतिबंधित

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने मांस-मटन की बिक्री को लेकर नया आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, 27 मार्च को रामनवमी और 31 मार्च को महावीर जयंती के दिन शहर में मांस-मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। इस तरह 2 दिन शहर में मांस-मटन की दुकानें और बूचड़खाना बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम ने मार्च माह में 2 दिन शहर में मांस-मटन के विक्रय की मनाही की है। निगम प्रशासन के इस आदेश के मुताबिक, यह प्रतिबंध सिर्फ दुकानों पर ही नहीं लगाया गया है, बल्कि होटल, ढाबे और रेस्टारेंट में भी इन दिनों मांस-मटन की बिक्री नहीं की जा सकेगी। इसके लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम और जोन स्तर के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण करेंगे। नगर निगम ने यह चेतावनी दी है कि अगर कोई दुकानदार मनाही के बाद भी रामनवमी और महावीर जयंती के दिन इस आदेश का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में न सिर्फ जुर्माना लगाया जाएगा, बल्कि दुकानों का सामान भी जब्त किया जा सकता है। निगम प्रशासन ने सभी व्यापारियों से नियमों का पालन करने की अपील की है।

नगर निगम में अब आधारबेस अटेंडेंस दर्ज कराने का सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- समय पर दफ्तर नहीं पहुंचे तो लगेगा फाइन

रायपुर नगर निगम में बायोमेट्रिक सिस्टम से कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति की बात पुरानी हो चली है, अब आधारबेस अटेंडेंस का सिस्टम लागू होने से समय पर दफ्तर नहीं पहुंचने और निर्धारित समय से पहले दफ्तर से खिसकने वालों की चूक अब मिनटों पर दर्ज हो रही है। इसी आधार पर नगर निगम का सामान्य प्रशासन विभाग संबंधित कर्मचारियों पर पेनाल्टी लगाने लगा है। यह सिस्टम नगर निगम के सभी दस जोन के अलावा निगम मुख्यालय और फिल्टर प्लांट, मोटर वर्कशाप के साथ सेंट्रल लाइब्रेरी के कर्मचारी-अधिकारियों पर लागू हो रहा है। नगर निगम प्रशासन अपने कर्मचारियों और अधिकारियों को समय का पाबंद बनाने आधारबेस उपस्थिति के नियम पर काम कर रहा है। इसके तहत निगम के 1600 कर्मचारियों की आधारबेस उपस्थिति दर्ज की जा रही है। पूर्व में नगर निगम के कर्मचारियों व अधिकारियों की उपस्थिति और घर जाने का समय बायोमेट्रिक मशीन के माध्यम से दर्ज होता रहा। अब इन कर्मचारियों की आधारबेस सैलरी का सिस्टम शुरू किया गया है।

नगर निगम के ऐसे कर्मचारी, जिन्हें नए सिस्टम के हिसाब से मोबाइल आपरेट करने में दिक्कत होती है, या जिनके पास पुराना मोबाइल सेट है,उनकी सहूलियत के लिए नगर निगम का आईटी सेल 15 नई बायोमेट्रिक मशीनें क्रय करने की तैयारी में है। इसके लिए एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें से 10 मशीनें नगर निगम के दस जोन के लिए होंगी, जबकि 5 बायोमेट्रिक मशीनें विभाग को उपलब्ध कराई जाएंगी।

__वार्ड के कर्मचारियों को आधारबेस अटेंडेंस से राहत, बायोमेट्रिक उपस्थिति :__ रायपुर नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में काम करने वाले निगम के वार्ड स्तर के कर्मचारियों को अभी आधारबेस अटेंडेंस के दायरे में नहीं रखा गया है। उन्हें हर दिन वार्ड में ही बायोमेट्रिक मशीन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने कहा गया है। निगम के आईटी सेल के एक्सपर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में वार्ड स्तर के कर्मचारियों को भी आधारबेस उपस्थिति सिस्टम में जोड़ने पर विचार चल रहा है। इसके लिए संबंधित वार्ड में एक निश्चित जगह निर्धारित कर लैंडमार्क सेटअप तैयार कर आधार आधारित उपस्थिति दर्ज करने का सिस्टम लागू किया जाएगा।

ट्रेन से गांजा तस्करी के मामले में रायपुर और बिलासपुर टॉप पर,15 महीने में 3 करोड़ से अधिक का गांजा जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

ट्रेनों के जरिए गांजा तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जांच अभियान तेज होने से अब विभिन्न राज्यों के साथ-साथ छग के तस्कर भी पकड़े जा रहे हैं। गांजा तस्करी के मामले में रायपुर और बिलासपुर टॉप पर है, जिसके बाद नागपुर और दुर्ग समेत अन्य प्रमुख स्टेशन है।

बता दें कि बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल में विशेष टास्क टीम गठित कर तथा सीआईबी को सक्रिय कर सतत निगरानी रखी जा रही है। वर्ष 2025 में इस अभियान के तहत 63 मामलों में 78 आरोपियों को गिरफ्तार कर 713.522 किलोग्राम मादक पदार्थ (लगभग 1.70 करोड़ रुपए मूल्य) जब्त किए गए। वर्ष 2026 में अब तक 24 मामलों में 36 आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए 341.745 किलोग्राम मादक पदार्थ (लगभग 1.71 करोड़ रुपए मूल्य) जब्त किए गए हैं। इस तरह 15 महीने में ही तीन करोड़ इक्तालिस लाख का गांजा जब्त किया जा चुका है।

- 2025 में 277 दलालों की गिरफ्तारी कर आरपीएफ ने 62.10 लाख रुपए के टिकट किए जब्त

2025 में 277 दलालों की गिरफ्तारी

आरपीएफ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न अभियानों के माध्यम से लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इन अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। वर्ष 2024 में तीनों मंडलों द्वारा कुल 331 अवैध टिकट दलालों को गिरफ्तार कर उनके पास से लगभग 1.27 करोड़ रुपये मूल्य के टिकट बरामद किए गए। वर्ष 2025 में 277 दलालों की गिरफ्तारी कर लगभग 62.10 लाख रुपए के टिकट जब्त किए गए। वहीं वर्ष 2026 में अब तक 57 दलालों को गिरफ्तार कर करीब 12 लाख रुपए के टिकट बरामद किए गए हैं।

ओडिशा से ला रहे मादक पदार्थ

पिछले तीन वर्षों (2023, 2024 एवं 2025) के दौरान ऑपरेशन नारकोस के तहत कुल 5.30 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थों की जब्ती कर 283 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विशेष रूप से ओडिशा की ओर से आने वाली ट्रेनों पर फोकस करते हुए सतत चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा यात्री ट्रेनों एवं स्टेशन परिसरों में अवैध वेंडरों के विरुद्ध भी रेलवे सुरक्षा बल द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2025 में 13709 तथा वर्ष 2026 में अब तक 2941 अवैध वेंडरों को गिरफ्तार कर रेलवे अधिनियम की धारा 144 के अंतर्गत कार्रवाई की गई है, जिसमें अधिकतम 1 वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025 में अवैध वेंडरों से लगभग 85 लाख रुपए तथा वर्ष 2026 में अब तक लगभग 11 लाख रुपए जुर्माना वसूल किया गया है।

02 जल दान करने संस्था और समाज के ....

लाइव इवेंट

शतरंज के फाइनल में रेलवे और पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने जीती मुख्यमंत्री ट्रॉफी

रायपुर। अग्रसेन धाम में आयोजित 'चीफ मिनिस्टर छत्तीसगढ़ ट्रॉफी' का शानदार समापन हुआ। 16 से 22 मार्च तक चली इस 45वीं राष्ट्रीय पुरुष (ओपन वर्ग) एवं 23वीं महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप में देशभर के दिग्गजों ने अपनी चालों का लोहा मनवाया। ओपन वर्ग में जहां रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड-ए ने खिताबी जीत दर्ज की, वहीं महिला वर्ग में पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की टीम चैंपियन बनी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहब ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि धैर्य, संयम और दिमाग का संतुलन है। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने इस भव्य आयोजन के लिए प्रदेश शतरंज संघ की सराहना की। आयोजन समिति की अध्यक्ष व विधायक भावना बोहरा, प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंघानिया और महासचिव विनोद राठी का विशेष योगदान रहा।

विजेताओं पर हुई पुरस्कारों की बौछार

प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में विजेता रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड-ए को 1 लाख 25 हजार रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गई। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने दूसरा (1 लाख रुपए) और रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड-बी ने तीसरा स्थान (75 हजार रुपए) प्राप्त किया। महिला वर्ग में भी पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड को प्रथम पुरस्कार के रूप में 1 लाख 25 हजार रुपए मिले, जबकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और वेस्ट बंगाल-ए क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

बोर्ड प्राइज में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर बोर्ड प्राइज भी दिए गए। ओपन वर्ग के पहले बोर्ड पर तेलंगाना के आदि रेड्डी अर्जुन ने बाजी मारी, वहीं दूसरे बोर्ड पर पांडिचेरी के इंटरनेशनल मास्टर श्री हरि एल और तीसरे बोर्ड पर रेलवे के आरण्यक घोष प्रथम रहे। महिला वर्ग में पेट्रोलियम बोर्ड की डब्ल्यूजीएम गोम्स मैरी एन, एलआईसी की किरण मनीषा मोहंती और पेट्रोलियम बोर्ड की ही अर्शिया दास ने अपने-अपने बोर्ड पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सिटी इवेंट

चैत्र नवरात्रि पर पारंपरिक परिधानों के साथ शक्ति की भक्ति में रंगे नजर आ रहे श्रद्धालु

रायपुर। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और चारों ओर शक्ति की भक्ति में लोग सराबोर हैं। भारतीय संस्कृति और आस्था का एक अत्यंत पावन पर्व है, जिसे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है और प्रत्येक दिन का एक विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने कन्याएं, महिलाएं, पुरुष सभी नौ दिनों तक विशेष महत्व के रंगों के अनुसार पारंपरिक कपड़े पहनने की परंपरा भी काफी लोकप्रिय है। हर दिन एक विशेष रंग को समर्पित होता है, जिसे धारण करके विशेषकर महिलाएं न केवल अपनी श्रद्धा व्यक्त करती हैं, बल्कि अपनी स्टाइल और फैशन सेंस को भी खूबसूरती से दिखाती हैं। इस स्टाइल और फैशन सेंस युवाओं में भी काफी ट्रेंड कर रहा है। मां दुर्गा के नौ रूपों के अनुसार हर दिन के रंग के साड़ी और कुर्ता सेट का कलेक्शन वार्डरॉब में शामिल कर इस पवन अवसर को और भी आकर्षक और पारंपरिक अंदाज में सेलिब्रेट करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। शहर की फैशन डिजाइनर रोमी अग्रवाल बताती है कि हर फेस्टिवल के लिए युवाओं व महिलाओं में फैशन का क्रेज रहता है।

फैशन हाउस में नवरात्रि थीम पर परिधानों की खरीदारी

गोलबाजार, पंडरी कपड़ा मार्केट और पुरानी बस्ती रोड स्थित फैशन हाउस में नवरात्रि थीम पर परिधानों की खरीदारी करने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। गोलबाजार स्थित फैशन हाउस के संचालक विजय अरोड़ा ने बताया कि महिलाएं और गर्ल्स पूजा के लिए पारंपरिक साड़ियां पसंद कर रही हैं। वहीं, बॉयज व पुरुष वर्ग के लोग पारंपरिक कुर्ता, धोती के अलावा आध्यात्मिक महत्व के रंगों की परिधान को कैरी कर रहे हैं।

मान्यता के अनुरूप इन रंगों के परिधानों की डिमांड

नवरात्रि के पहले दिन मान्यताओं के अनुसार नारंगी रंग का परिधान चुन रहे हैं। यह रंग उत्साह, गर्मजोशी व सकारात्मकता को दर्शाता है और भक्त के मन को खुशहाली से भर देता है। दूसरे दिन के लिए सफेद रंग का चुनाव कर रहे हैं। यह रंग सरलता, शुद्धता और शांति का प्रतीक होता है। तीसरा दिन लाल रंग पहनना शुभ माना जाता है। यह रंग प्रेम, वृद्धि, जुनून और शक्ति का प्रतीक है। इसके अगले दिन यानि चौथे दिन गहरे नीले रंग का परिधान घर में शांति और समृद्धि आती है। पांचवें दिन पीला और छठे दिन हरा वस्त्र, सातवें दिन स्लेटी रंग के कपड़े और आठवें दिन बैंगनी रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। यह रंग भव्यता, समृद्धि, आध्यात्मिकता और रचनात्मकता को दर्शाता है।

● राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में 'अनंत्य 2026' का शुभारंभ, मध्य भारत का प्रमुख तकनीकी महोत्सव

मैदान में उतरे रोबोट, ट्रैक पर दौड़ीं गाड़ियां, एआई शील्ड चैलेंज में दिखा छात्रों का तकनीकी टैलेंट

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं के साथ रविवार को अनंत्य 2026 महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पहले दिन विभिन्न स्पर्धाओं में स्टूडेंट्स ने भाग लेकर अपना टैलेंट दिखाया। इस दौरान रोबोटिक्स प्रतियोगिताओं में रोबो क्विज और रोबोवार के बीच रोबोटिक्स का रोमांच देखने को मिला।

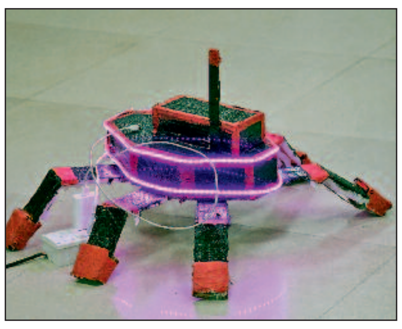

विद्यार्थियों के नवाचार से सजा महोत्सव

मेगा तकनीकी महोत्सव का शुभारंभ रायपुर जिला कलेक्टर गौरव कुमार के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उद्घाटन समारोह में संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह के प्रारंभ में संस्थान की इनोवेशन काउंसिल की संकाय प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रम्या सेल्वराज ने स्वागत भाषण देते हुए 'अनंत्य 2026' को एक राष्ट्रीय मंच बताया, जो राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों को नवाचार और सहयोग के लिए एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल आयोजन नहीं, बल्कि संस्थान के विभिन्न तकनीकी एवं उद्यमिता क्लबों का समन्वित संगम है, जो मानव कल्पना की असीम संभावनाओं को अभिव्यक्त करता है।

रायपुर। स्टूडेंट्स ने खास ट्रैक बनाया था, जिसमें रोबोटिक्स गाड़ियों को दौड़ाया। इसके अलावा परिसर में विज्ञान प्रदर्शनी 'विज्ञान', स्टार्टअप एक्सपो, एयरो शोकेस, रोबोथॉन, बिज़ रेस्क्यू, बी-मॉडल तथा स्ट्रैटेजिका सहित विभिन्न तकनीकी एवं उद्यमिता आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। जबकि 'एआई शील्ड चैलेंज' और 'कॉसमोएक्स' जैसे नवाचार आधारित आयोजनों ने प्रतिभागियों को तकनीकी समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त प्रेरक वक्ता सत्र, 'उत्कृष्ट' तथा 'वाइब कोडिंग' और 'डेव क्लैश' जैसी गतिविधियों से नवाचार देखने को मिला।

पहली बार छात्र क्लबों के प्रयास से आयोजन

संस्थान के कुलसचिव डॉ. एन. डी. लोंढे ने अपने संबोधन में कहा कि 'अनंत्य' पहली बार सभी प्रमुख छात्र क्लबों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है, जिससे यह मध्य भारत के सबसे बड़े तकनीकी आयोजनों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों के विचारों को उद्योगोन्मुख समाधानों में परिवर्तित करना है। विशेषज्ञों की सहभागिता से उन्हें व्यावहारिक सीख प्राप्त होगी। प्रोफेसर डॉ. श्रीश वर्मा ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि यह छात्रों को अपने विचारों को प्रस्तुत करने और उन्हें सार्थक परिणामों में परिवर्तित करने का अवसर प्रदान करता है।

स्टूडेंट्स को मिलेंगे तकनीकी अवसर

कॅरियर डेवलपमेंट सेंटर (कॅरियर डेवलपमेंट सेंटर) के प्रमुख डॉ. समीर बाजपेई ने कहा कि इस आयोजन की सफलता सामूहिक टीम वर्क का परिणाम है। उन्होंने इसे विभिन्न तकनीकी एवं उद्यमिता क्लबों का संगम बताते हुए 'अनंत्य' को संस्थान का प्रथम मेगा तकनीकी महोत्सव और असीम अवसरों का उत्सव बताया। मुख्य अतिथि गौरव कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को जीवन में चुनौतियों को स्वीकार करने और संघर्ष को सफलता की अनिवार्य प्रक्रिया मानने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन उद्यमिता प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. आर. एन. पटेल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विप्र नारी शक्तियों को समाज में साहसिक योगदान के लिए दिया गया शिखर सम्मान

रायपुर। प्रदेश के विप्र महिलाओं के लिए शिखर सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह समारोह वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 3 बजे से सिविल लाइन स्थित वृन्दावन हॉल में आयोजित किया गया। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार नवरात्रि के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ की विभिन्न विधा के ख्यातिलब्ध विप्र नारी शक्ति का महिला शिखर सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथिगण लक्ष्मी वर्मा (सांसद राज्यसभा), मीनल चौबे (महापौर), शताब्दी पाण्डेय (भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व अध्यक्ष, बाल आयोग), अर्चना झा (डिप्टी कमिश्नर ऑफ पोलिस) एवं हेमलता शर्मा (सहायक परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा जांजगीर) शामिल हुईं। राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए महिला शक्ति को जागरूक कर विभिन्न रोजगार के विषय में बताया।

33 विप्र नारी शक्ति का हुआ सम्मान

समारोह में 33 विप्र नारी शक्तियों को महिला शिखर सम्मान से नवाजा गया। इनमें शशि शर्मा अनामिका साहित्य लेखन, डॉ. चारू तिवारी चिकित्सा एवं समाजसेवा, स्मृता मिश्रा सफल उद्यमी एवं महिला जागरण, सरोज तिवारी शिक्षा व समाजसेवा, शोभिता पाठक मिश्रा महिला जागरण एवं समाजसेवा, मधु तिवारी साहित्य लेखन, अभिलाषा झा कला और फैशन, पूर्णिमा तिवारी काव्य पाठ व साहित्य लेखन, डॉ. वर्षा शर्मा शिक्षा एवं साहित्य लेखन, उन्नति शुक्ला शिक्षा व समाजसेवा, अपर्णा तिवारी शिक्षा व समाजसेवा, सुधा शर्मा साहित्य लेखन, अंकिता पाण्डेय शुक्ला बालिका जागरण, श्रद्धा पाठक स्वस्ति साहित्य सहित अन्य शामिल रहीं।

मूर्तियों का विसर्जन करते हुए झूलेलाल उत्सव का समापन

रायपुर। सिंधु एकता संघ द्वारा मनाए गए पांच दिवसीय झूलेलाल उत्सव का समापन भगवान की मूर्तियों के विसर्जन के साथ किया गया। संघ के संस्थापक सुभाष बजाज, आयोजन के संयोजक महेश मोटवानी, अध्यक्ष चंद्र कुमार माखीजा ने बताया कि साईं लालदास की प्रेरणा से शुरू हुआ यह आयोजन पांच दिनों तक उत्सव के रूप में मनाया गया। चेट्रीचंड्र के बाद 21 मार्च को भगवान की मूर्तियों के विर्सजन में लोग परिवार के साथ शामिल हुए। झूलेलाल को नम आंखों से विदाई देते हुए आस्था प्रकट की। इसमें बुजुर्ग, युवा और बच्चे भगवान झूलेलाल की मूर्ति लेकर विसर्जन के लिए निकले। इस दौरान 'एक दो तीन चार, भगवान झूलेलाल की जय जयकार' के नारों के साथ आराध्य देव को विदाई दी गई।

टूटे कॉफी मग, टिन डिब्बे और नारियल के छिलके जैसी अनुपयोगी चीजों से स्टाइलिश प्लांटर्स किए तैयार

कार्नर न्यूज

वेस्ट से बेस्ट आइडिया का कमाल, टूटे कप प्लास्टिक बॉटल से बना रहे आकर्षक प्लांटर

रायपुर। वेस्ट से बेस्ट आइडिया का इस्तेमाल कर लोग आजकल घर, बगीचे को सस्ते में सजा-संवार रहे हैं। स्कूलों व कला शिविरों में वेस्ट से बेस्ट सामान बनाने की प्रतियोगिताओं में बच्चे, बड़े सभी यह हुनर सीख रहे हैं। ऐसा ही कमाल शहर की माही साहू कर रही हैं। माही ने बताया कि वह स्कूल से लेकर कॉलेज स्टडी के दौरान वेस्ट से बेस्ट बनाने की कला सीखी हैं। अब वह कला शादी के बाद अपने घर और बगीचों को बिना महंगे खर्च के सजाने-संवारने के काम आ रही है। वह बताती है कि घर में खाली समय मिलते ही टूटे कॉफी मग, प्लास्टिक बोतल, टिन डिब्बे और नारियल के छिलके जैसी बेकार चीजों से स्टाइलिश प्लांटर्स तैयार किए हैं। इनमें आउटडोर व इनडोर टाइप के पौधे उगाए हैं। यह सबसे बेहतर कम खर्च में सुंदर होम व बालकनी गार्डन तैयार कर रही हैं। मैंने थोड़ी क्रिएटिविटी से इन्हीं चीजों को आकर्षक प्लांटर्स में बदलकर शानदार होम गार्डन सजाया है। इससे न केवल किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल हुआ है, बल्कि पौधों की ग्रोथ भी अच्छी होती है। छोटे-छोटे कंटेनर पौधों की जड़ों को सुरक्षित रखते हैं और बालकनी या खिड़की को ग्रीन लुक देते हैं। ऐसी बेकार चीजें जिनसे आसानी से प्लांटर बना सकते हैं और उनमें पौधे सबसे अच्छे उगते हैं। इस वेस्ट से बेस्ट से मैंने अपने घर को स्वच्छता के साथ-साथ बिना किसी आर्थिक व्यय के इस प्रकार आकर्षक रूप में सजाया है।

टूटे कॉफी मग से मिनी प्लांटर

टूटे या पुराने कॉफी मग छोटे पौधों के लिए बेहतरीन प्लांटर बना सकते हैं। बस नीचे छोटा ड्रेनेज होल बना दें और मिट्टी भरकर पौधा लगा दें। टूटे-फूटे कॉफी मग में सुक्यूलेंट, कैक्टस, स्नेक प्लांट या मनी प्लांट की छोटी कटिंग रोप सकते हैं।

प्लास्टिक बोतल से हैंगिंग प्लांटर

खाली प्लास्टिक बोतल को बीच से काटकर उसमें मिट्टी भरें और रस्सी की मदद से लटका दें। यह बालकनी या दीवार पर शानदार हैंगिंग गार्डन बनाता है। मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट, पुदीना और पोथोस समेत दूसरे हैंगिंग मिनी प्लांट लगा सकते हैं।

पुराने टिन के डिब्बों से किचन गार्डन

बिस्किट या फूड के टिन डिब्बे को साफ करके उसमें मिट्टी भरें और किचन हर्ब्स उगाएं। यह छोटा किचन गार्डन बनाने का आसान तरीका है। टिन के डिब्बे के तले में छेद करने के बाद तुलसी, धनिया, पुदीना, पार्सले के प्लांट्स आसानी से ग्रो करते हैं।

नारियल के छिलके से नेचुरल प्लांटर

नारियल का आधा छिलका मिट्टी भरने के लिए एकदम सही प्राकृतिक कंटेनर होता है। इसे रस्सी से लटकाकर सजावटी प्लांटर भी बनाया जा सकता है। नारियल के छिलके का स्पेस कम होता है, इसलिए इसमें मिनी प्लांट जैसे पोर्टुलाका, सुक्यूलेंट और छोटे फूल वाले पौधे लगा सकते हैं।

सिटी लाइव

एएआई को राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा में मिला रजत पदक

रायपुर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के खिलाड़ियों ने 45वीं पुरुष राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता तथा 23वीं महिला राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। यह प्रतियोगिताएं अग्रसेन धाम में 16 से 22 मार्च तक आयोजित की गईं। पुरुष वर्ग में देश के विभिन्न राज्यों एवं संस्थानों से कुल 46 टीमों ने भाग लिया, जबकि महिला वर्ग में 22 टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़े प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के बीच भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए रजत पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के खिलाड़ियों ने अपनी रणनीतिक क्षमता, एकाग्रता एवं उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता में देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें एएआई की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विमान पत्तन निदेशक ने इस सफलता पर खिलाड़ियों को बधाई दी और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संगठन के खेल प्रोत्साहन के प्रयासों का परिणाम है और इससे अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

राजधानी में अब भी जल सेवा देने लोग करते हैं पहल, 19 अप्रैल के लिए संस्थाओं ने शुरू की तैयारी

जल दान करने संस्था और समाज के लोग निभाएंगे भागीदारी, परंपरा निभाने संचालित करेंगे प्याऊ घर

जल दान की परंपरा निभाने के लिए समाज और संस्थाओं ने भागीदारी निभाने के लिए अब तैयारी शुरू की है। इनमें कई संस्थाएं ऐसी हैं, जो राहगीरों को पेयजल की सुविधा देने के लिए जगह-जगह प्याऊ घर संचालित करने का दायित्व हर साल निभाते हैं। वहीं, कुछ समाज के लोग बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए सकोरा, दाना और पानी की सुविधा देने कोटना दान करते हैं।

रायपुर। इस गर्मी में संस्थाओं और समाज के लोगों की भागीदारी से जल सेवा दी जाएगी। इसके लिए संस्थाओं ने व्यवस्था बनाने के लिए तैयारी शुरू की है। हालांकि, अभी उनके द्वारा जगह तय नहीं किया गया है, लेकिन सेवा देने की मुहिम को लेकर चर्चाओं का सिलसिला शुरू हो गया है। इसमें स्काउट्स एंड गाइड्स की सहभागिता भी रहेगी। इसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा जल दान करने में सहयोग दिया जाएगा। हर साल की तरह शासकीय स्कूल भनपुरी, बढ़ईपारा सहित कई मुख्य मार्गों के पास स्थित विद्यालयों को स्पाट के रूप में चुना गया है।

इस परंपरा का पालन करने सजेंगे प्याऊ घर

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया यानी अक्षय तृतीया जिसे अक्ति के नाम से जाना जाता है। तिथिगत महत्ता का पालन करने के लिए 19 अप्रैल से प्याऊ घर सजाने का क्रम शुरू होगा। तृतीया तिथि 19 अप्रैल की सुबह 10:49 बजे शुरू होगी और 20 अप्रैल की सुबह 07:27 बजे तक प्रभावी रहेगी। पंडित मनोज शुक्ला ने बताया कि वैशाख मास को अत्यंत तपिश का समय माना जाता है। इस बीच लोग मिट्टी के घड़े में जल भरकर पुरोहितों और आश्रितों को दान करते हैं। इस परंपरा का पालन करने के लिए मंदिरों के आसपास भी शीतल पेयजल के लिए प्याऊ घर संचालित किए जाते हैं। हालांकि, शहरी क्षेत्र में इसका चलन कम जरूर हुआ है, लेकिन परंपराओं का निर्वहन करने लोग सेवा देते हैं।

दादाबाड़ियों के पास संचालित होंगे जल केन्द्र

जैन समाज के महेन्द्र कोचर ने बताया कि हर साल अक्षय तृतीया से शहर में अलग-अलग 20 स्थानों पर महावीर प्याऊ घर का संचालन किया जाता है। इस साल भी दादाबाड़ियों के आसपास प्याऊ घर का संचालन करने के लिए तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बेजुबानों के लिए सकोरा और दाना देने के लिए सामग्री वितरित की जाती है। ताकि लोग घरों में पक्षियों और मवेशियों को जल उपलब्ध करवा सकें। इसके लिए अलग-अलग क्षेत्र में रहने वाले समाज के लोगों को दायित्व दिया जाता है, ताकि महीनेभर जल सेवा की परंपरा निभाई जा सके, इसके लिए व्यवस्थागत तैयारी शुरू की गई है।

स्कूलों के विद्यार्थी भी जल सेवा देने करेंगे पहल

स्काउटस एंड गाइड्स से जुड़ी छात्राओं और छात्रों द्वारा राहगीरों के लिए शीतल जल की सुविधा इस साल भी सेवा भावना से देने की पहल करने की तैयारी है। डॉ. सुरेश शुक्ला ने बताया कि अभी स्थानों का चयन नहीं किया गया है, लेकिन कुछ एक जगह ऐसे हैं, जहां हर साल प्याऊ घर संचालित किए जाते हैं। इनमें भनपुरी स्कूल, खमतराई स्कूल जैसे स्थान शामिल हैं। जहां अलग-अलग समय में विद्यार्थी समय और जल सेवा का दायित्व निभाते हैं। इसके लिए तैयारी का सिलसिला अप्रैल में शुरू किया जाएगा।

धर्म लाइव

संत जोसेफ महा गिरजाघर से डोंगरगढ़ तक कल से पदयात्रा

रायपुर। विश्व शांति, मानव कल्याण, भारत राष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ राज्य के सुख, शांति, समृद्धि, आपसी भाईचारा, सद्भावना के उद्देश्य को लेकर विगत 10 वर्षों से क्रूस मार्ग पदयात्रा आयोजन समिति द्वारा संत जोसेफ महा गिरजाघर बैरन बाजार से कलवारी पहाड़ डोंगरगढ़ तक चार दिवसीय पदयात्रा आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से ईसाई समुदाय के लगभग 350 सदस्य शामिल होंगे। क्रूस मार्ग पदयात्रा आयोजन समिति के संयोजक, संस्थापक गुरविंदर सिंह चड्ढा, विजय रविकांत रुण्डा, प्रणब शरद टोप्पो ने बताया कि इस 11वें वर्ष के क्रूस मार्ग पदयात्रा का आयोजन 24 मार्च को सुबह 6 बजे संत जोसेफ महा गिरजाघर बैरन बाजार रायपुर से कैथोलिक ईसाई समुदाय के धर्मगुरु आर्च. बिशप रेव्ह. डॉ. विक्टर हेनरी ठाकुर, फादर सेबेस्टियन वी., पल्ली पुरोहित रेव्ह. फादर जान जेवियर द्वारा प्रभु यीशु मसीह के क्रूस मार्ग के प्रथम स्थान की बिनती-प्रार्थना कर यात्रा प्रारंभ होगी। यह पदयात्रा टाटीबंध, कुम्हारी, चरोदा, भिलाई पॉवर हाउस, सुपेला, सेक्टर 6, गोल्फ चौक होते हुए संत विंसेंट डी. पाल चर्च दुर्ग में विश्व शांति मानव कल्याण आपसी भाईचारा के लिए बिनती-प्रार्थना कर, रात्रि विश्राम कर दूसरे दिन 25 मार्च को सुबह 6 बजे पदयात्रा प्रारंभ कर अंजोरा सोमनी के लिए निकलेगी।

तपस्वियों ने की आयंबिल साधना, बिना नमक तेल और घी के व्यंजनों का किया भोजन

रायपुर। भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति द्वारा पहली बार आयोजित '251 आयंबिल' ने जैन समाज में भक्ति और तपस्या की नई लहर पैदा कर दी है। श्री विमलनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर ट्रस्ट, भैरव सोसायटी के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में तपस्वियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया। सैकड़ों तपस्वियों ने नमक और बिना नमक, दोनों ही विधियों से आयंबिल की तपस्या पूर्ण की। इस विशिष्ट अनुष्ठान में बिना तेल और घी के तैयार किए गए शुद्ध व्यंजनों का भोजन ग्रहण किया गया। अब दादाबाड़ी में 1008 एकासना का विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए समिति ने ऑनलाइन गूगल फॉर्म जारी कर दिया है। पदाधिकारियों ने सभी तपस्वियों से अनुरोध किया है कि वे शीघ्र ही अपना पंजीकरण सुनिश्चित करें ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जा सकें।

समिति और मंडलों का अनुकरणीय सहयोग

कार्यक्रम की सफलता में महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत वैद्य, गोल्डी लूनिया और विकास सेठिया सहित समस्त पदाधिकारियों की मुख्य भूमिका रही। व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में राजेश सिंगी, भरत सोनीगरा, कमल लोढ़ा, अरुण बरलोटा, विनोद सोनीगरा, दिलीप परख नाकोड़ा भैरव भक्त मंडल, विमल महिला मंडल, सीमधर महिला मंडल, खरतरगच्छ महिला मंडल, विमल विंग, समरथ महिला मंडल और वर्धमान बहू मंडल के सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। इस भव्य आयोजन के मुख्य लाभार्थी संजय एवं संगीता जी गोलछा रहे, जिनका भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा विशेष रूप से बहुमान किया गया।

सुख-शांति, समृद्धि की मंगलकामना के साथ मनाया चेट्रीचंड्र महोत्सव

रायपुर। चंड्र जी रात व आयोलाल-झूलेलाल, दोनों महोत्सव के सफल आयोजन की सभी को बधाई देते हुए सिंधी सेवा महापंचायत के अध्यक्ष अमर गिदवानी, प्रवक्ता पवन प्रीतवानी ने बताया कि महंत सतगुरु अनंतपुरी गोस्वामी, संत साईं युधिष्ठिर लाल, महंत अम्मा मीरा देवी व संत साईं लालदास के आशीर्वाद से चेटीचंड्र महोत्सव संपन्न हुआ, उसका श्रेय महापंचायत के संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, वरिष्ठ आनंद कुकरेजा, अध्यक्ष अमर गिदवानी व सतीश थौरानी ने सिंधी समाज को दिया व सभी के सुख-शांति, समृद्धि की मंगलकामना की। आयोजन में वरिष्ठ एंकर किशोर अजवानी, लायन राजू मनवानी, नील तलरेजा, सेलीब्रिटी कृष्णा अभिषेक, मंजूश्री आसुदानी, बेबी फ्रांसी, बेबी कशिश व अनेक कलाकारों ने प्रस्तुति दी। आयोजन में पंचायतों के प्रमुख, मुखी मनुमल पृथवानी, डॉ. भीमनदास बजाज, दीपक कृपलानी, महेश पृथवानी, बलराम मंधानी, जय केसवानी, मनीष वाधवानी आदि ने सहभागिता निभाई।

महापंचायत ने इस आयोजन में शामिल हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा, रमेश ठाकुर, अनुराग सिंह ठाकुर, नवीन मार्कण्डेय, किरण देव, पुलिस-प्रशासन का आभार जताया है।

आयोजन में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

आयोजन को सफल बनाने में महापंचायत के मुखिया श्रीचंद सुंदरानी, वरिष्ठ आनंद कुकरेजा, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, राजेश वासवानी, राजेश गुरनानी, जीतेंद्र बड़वानी, गोविंद वाधवानी, राधाकिशन सुंदरानी, चेतन तारवानी, इंदर डोडवानी, अशोक मलानी, वासुदेव जोतवानी, चंदर विधानी, किशोर आहूजा, सचिन मेघानी, सुदेश मंध्यान, अमर दास खट्टर, राजू भाई तारवानी, राजेश पोपटानी, महेश आहूजा, दिनेश सुंदरानी, मनीष थारानी, महिला विंग मंजू सुंदरानी, राधा राजपाल, भावना कुकरेजा, राशि बलवानी समेत अनेक सिंधुजनों का सहयोग रहा।

समाज इवेंट

धर्मांतरण के विरुद्ध ऐतिहासिक निर्णय पर राम-जानकी मंदिर में मिठाइयां बांट जताई खुशी

रायपुर। राज्य सरकार द्वार धर्मांतरण के विरुद्ध लाए गए नए कठोर विधेयक को लेकर प्रदेशभर में व्यापक समर्थन व उत्साह है। यह कानून छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सनातन अस्मिता की रक्षा का संकल्प को बताता है। इससे पूरे सनातन समाज में खुशी और उत्साह की लहर व्याप्त हो गई है। इसी कड़ी में शनिवार को फाफाडीह स्थित रामजानकी मंदिर निर्वाणी अखाड़ा में भक्तों व मंदिर प्रबंधन के सदस्यों का मुंह मीठा कराकर खुशी का इजहार किया गया। इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी एवं महंत सुरेंद्र दास ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्षों से प्रलोभन, दबाव और षड्यंत्र के माध्यम से हो रहे धर्मांतरण पर सरकार द्वारा निर्णायक प्रहार हुआ है। यह कानून केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, आस्था और पहचान की रक्षा का एक सशक्त संकल्प है। राम जानकी मंदिर नर्मदाकुंड के महंत सुरेंद्र दास ने कहा धर्मांतरण कोई सेवा नहीं, बल्कि हमारी जड़ों को कमजोर करने की साजिश है। जो लोग भोले-भाले आदिवासियों और गरीबों को लालच देकर उनका धर्म बदलवाते हैं, उनके विरुद्ध यह कानून एक चेतावनी है।

प्रदेशभर में धर्म रक्षा अभियान की घोषणा

धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा छत्तीसगढ़ के हर जिले में धर्म रक्षा अभियान चलाया जाएगा। इससे सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए जनजागरण की आवाज बुलंद होगी। धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा सरकार से मांग की गई कि कानून का सख्ती से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। अवैध धर्मांतरण में लिप्त संगठनों की तत्काल जांच और प्रतिबंध हो। साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए सुरक्षा और पुनर्वास योजना लागू की जाए।

अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था और आधुनिक जीवन शैली के चलते धर्म से दूर हो रहे बच्चे, इसलिए प्रबुद्ध महिलाएं कर रहीं पहल

शिक्षिकाएं और मॉडल्स भावी पीढ़ी को आस्था से जोड़ने धारण कर रहीं दुर्गा स्वरूप, प्रस्तुति से बता रही हैं महत्व

कार्नर न्यूज

रायपुर। कॉन्वेंट कल्चर और आधुनिक जीवन शैली से जुड़ी भावी पीढ़ी को अलग-अलग तीज -त्योहार के अवसर पर शिक्षिकाएं ही नहीं, मॉडल्स भी दुर्गा स्वरूप में प्रस्तुति दे रही हैं। चैत्र नवरात्रि में माता दुर्गा के प्रसंगों को समझाने के लिए वैसे ही श्रृंगार और परिधान में एक्ट के जरिए धार्मिक महत्व को समझाने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि, इस तरह की पहल से कुछ प्रबुद्ध महिलाएं ही जुड़ी हैं। उनका मत है कि अगर हर तीज-त्योहार पर इस तरह के प्रयास स्कूलों में ही नहीं, बल्कि घर-परिवार में भी किए जाएं तो सनातन परंपरा और आस्था से बच्चों को जोड़ा जा सकता है। दिनभर मोबाइल में गेम्स खेलने वाले बच्चों का इस पहल से बौद्धिक विकास के साथ धार्मिक भावना भी मजबूत होगी।

माता की आस्था से जोड़ने के लिए प्रयास

अमलीडीह निवासी रोली सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में छोटे बच्चों को धर्म से जोड़ने के लिए

हरसंभव प्रयासरत हूं। इसके लिए नवरात्रि में माता के रूप में श्रृंगार और परिधान में धार्मिक आस्था से जोड़ने का प्रयास करती हूं। शिक्षिका होने के नाते जन्माष्टमी, रामनवमी के साथ चैत्र नवरात्रि में बच्चों को आस्था से जोड़ने की पहल परंपरागत रूप से कर रही हूं। दो साल पहले एहसास हुआ कि बच्चे कार्टून में दिखाए जा रहे कैरेक्टर के रूप में प्रजेंट्स की जाने वाली चीजों को जल्दी समझते हैं, इसलिए अलग-अलग स्वरूप में महत्व बताना शुरू किया ।

प्रस्तुति में आस्था से जुड़े रूप को प्राथमिकता

मेकअप आर्टिस्ट और मॉडल दिपांशी घोष ने बताया कि बिलासपुर में रहते हुए कला के साथ संस्कारों से जोड़ने के लिए व्यक्तिगत रूप से पहल करती हूं, ताकि भावी पीढ़ी को धार्मिक मान्यताओं का बोध करवाया जा सके। इसके लिए मंचीय प्रस्तुतियों के बीच दुर्गा रूप में हर नवरात्रि में प्रस्तुति देती हूं, ताकि देखने के लिए आने वाले बच्चों को माता के प्रति श्रद्धा की भावना से जोड़ा जा सके। इसके लिए प्रस्तुति के बाद उनको धार्मिक प्रसंग के आधार पर माता के रूपों की महत्ता भी बताती हूं। इससे बच्चों से भी अच्छा रिस्पांस मिलता है।

देवियों के स्वरूप की दे रही प्रस्तुति

माना में रहने वाली ब्यूटी मंडल ने बताया कि स्कूलों में होने वाली प्रस्तुति के साथ ही मंचीय श्रृंखलाओं में भी प्रयास करती हूं कि तीज- त्योहार से जुड़े देवियों के स्वरूप को भावी पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया

जाए। इसके लिए मॉडलिंग में भी इस्तेमाल करती हूं। दुर्गा के रूप में श्रृंगार और अभिषेक के महत्व को गीत-संगीत के माध्यम से पेश करने का प्रयास करती हूं। इसे हर वर्ग के लोगों द्वारा पसंद किया जाता है। नवरात्रि में दुर्गा माता के रूप में ही नृत्य नाटिकाओं के माध्यम से भावी पीढ़ी को जोड़ने का प्रयास कर रही हूं।

सिटी स्पोर्ट्स

फैटी लिवर बन रहा बड़ा खतरा बचने के लिए सबसे जरूरी है इन बातों पर जरूर दें ध्यान

फैटी लिवर, जिसे हेपेटिक स्टीटोसिस के नाम से भी जाना जाता है ये आपकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इससे लिवर फेलियर का भी खतरा रहता है। आइए जानते हैं कि फैटी लिवर से बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

लिवर हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। पाचन में मदद करने के साथ रक्त में अधिकांश रासायनों के स्तर को नियंत्रित करने, पित्त नामक उत्पाद को उत्सर्जित करने और अपशिष्ट उत्पादों को फिल्टर करके शरीर से बाहर निकालने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पेट और आंतों से निकलने वाला सारा रक्त लिवर से ही होकर गुजरता है।

इतने महत्वपूर्ण कार्यों को समझने के बाद आप ये जान ही गए होंगे कि इस अंग का स्वस्थ रहना कितना जरूरी है। पर क्या आप लिवर की सेहत का सही से ध्यान रख रहे हैं?

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि दुनियाभर में फैटी लिवर बीमारी के मामले काफी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। आमतौर पर माना जाता रहा है कि जो लोग अधिक शराब पीते हैं उनमें इसका खतरा अधिक होता है पर शराब न पीने वाले भी इसका शिकार हो सकते हैं। लिवर में फैट बढ़ने के कारण कई गंभीर विकारों का खतरा भी हो सकता है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहनी चाहिए। आइए जानते हैं कि फैटी लिवर से बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

पहले जान लीजिए क्या है फैटी लिवर की समस्या?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं फैटी लिवर,

जिसे हेपेटिक स्टीटोसिस के नाम से भी जाना जाता है ये आपकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाली हो सकती है। इसमें लिवर में फैट की मात्रा बहुत अधिक बढ़ने लग जाती है। ये स्थिति लिवर के सामान्य कार्यों को बाधित करने वाली हो सकती है। लिवर में फैट की मात्रा अधिक हो जाने के कारण इंफ्लेमेशन का खतरा बढ़ जाता है। गंभीर स्थितियों में इससे लिवर फेल होने और जान जाने तक का भी जोखिम हो सकता है। आइए जानते हैं कि आप इस खतरनाक स्थिति से कैसे बचे रह सकते हैं?

वजन घटाना सबसे जरूरी

अध्ययनों में पाया गया है कि फैटी लिवर की समस्या के लिए वजन का अधिक होना प्रमुख कारण हो सकता है। अध्ययन से पता चला है कि शरीर का वजन 10% तक कम करने से लिवर की चर्बी, सूजन की समस्या और फैटी लिवर के कारण होने वाली अन्य दिक्कतें दूर हो सकती हैं।

जामा इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित एक मेटा-विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 22 अध्ययनों की समीक्षा की। अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों का वजन कम था उन्हें भविष्य में इस बीमारी का खतरा भी कम था। वहीं फैटी लिवर के शिकार जिन लोगों ने अपने वजन को कम किया उनमें इस रोग के कारण होने वाली जटिलताएं भी कम हो गईं।

लिवर की सेहत का रखें ख्याल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रति सप्ताह कम

से कम 150 मिनट की शारीरिक गतिविधि आपके लिए मददागार हो सकती है। नियमित व्यायाम के साथ आहार पर ध्यान देना, हरी सब्जियों-फलों से भरपूर चीजें खाना और वसा वाली चीजों का सेवन कम करना न सिर्फ वजन घटाने में मददगार है साथ ही इससे लिवर की सेहत को भी ठीक रखा जा सकता है। डॉक्टर कहते हैं, कम उम्र से ही अगर वजन को नियंत्रित रखने पर ध्यान दे दिया जाए तो फैटी लिवर सहित कई प्रकार की अन्य क्रोनिक बीमारियों से भी बचे रह सकते हैं।

फैटी लिवर से बचे रहने के लिए ये उपाय भी जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फैटी लिवर से बचे रहने के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं। वजन कम करें। वजन बढ़ना इस रोग का प्रमुख कारण है, इसलिए वेट लॉस के सभी जरूरी उपाय करें। आहार, दवा या दोनों के माध्यम से ट्राइग्लिसराइड्स को कम करें। ट्राइग्लिसराइड्स भी लिवर की सेहत के लिए ठीक नहीं है।

डाइटीशियन की सलाह : आहार में शामिल करें कुछ जरूरी चीजें

एक उम्र के बाद दिल परेशान करे, इसके पहले अपनाइए ऐसा आहार जो दे आपको बड़ी राहत

हृदय रोगों की समस्या पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी से बढ़ी है, आश्चर्यजनक रूप से कम आयु के लोग न सिर्फ हृदय की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं साथ ही इसके कारण मौत का जोखिम भी अधिक हो गया है। ज्यादातर शोध बताते हैं कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी इस रोग का एक कारक हो सकती है। समय पर इसपर ध्यान न देने के कारण हार्ट अटैक का जोखिम भी हो सकता है। हृदय स्वास्थ्य की बढ़ती दिक्कतों से बचाव के लिए आहार में सुधार करना जरूरी हो जाता है।

डाइटीशियन प्रियंका सहाय बताती हैं, जिस तरह से कम आयु के लोगों में हृदय रोगों की समस्या देखी जा रही है, ऐसे में जरूरी है कि हम समय रहते इसके खतरों को जानें और बचाव के उपाय शुरू कर दें। आहार में कुछ प्रकार की चीजों को शामिल करके हृदय को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

डाइटीशियन प्रियंका बताती हैं, हृदय को स्वस्थ रखने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत है। सिर्फ डाइट या लाइफस्टाइल में सुधार करके ही लाभ नहीं पाया जा सकता है, इसके लिए दोनों का सामंजस्य

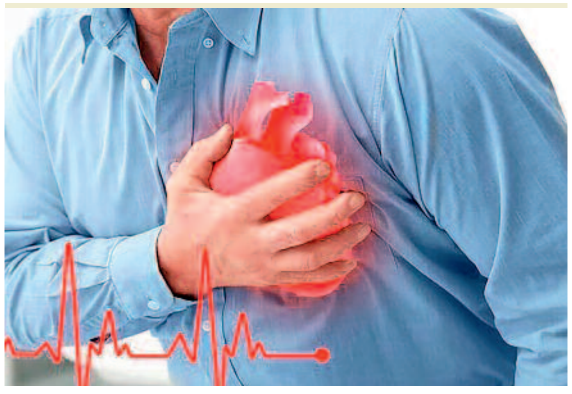

जरूरी है। अध्ययनों में पाया गया है कि कुछ चीजों को अगर नियमित आहार का हिस्सा बना लिया जाता है तो इससे लाभ मिल सकता है। हृदय की 40 फीसदी तक बीमारियों के खतरे को कम करने में स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन से मदद मिल सकती है। आइए इस डाइट प्लान के बारे में जानते हैं।

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए इन चीजों का आहार में शामिल किया जा सकता है

हृदय स्वास्थ्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है, ओमेगा-3। ओमेगा-3 से भरपूर चीजों को आहार का हिस्सा बनाकर हार्ट की समस्याओं से बचाव कर सकते हैं। ओमेगा-3 स्वस्थ वसा का एक प्रकार है जो हृदय की गति को ठीक रखने और रक्तचाप को कंट्रोल रखने में मदद करता है। कुछ प्रकार के फैटी फिश, नट्स में ये भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

हार्ट की समस्याओं से बचाव के लिए आहार में ऑलिव ऑयल को शामिल करना भी बहुत फायदेमंद है। ऑलिव ऑयल भी स्वस्थ वसा है जो हृदय के लिए आवश्यक एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। रक्त वाहिकाओं को मजबूती देने और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में ऑलिव ऑयल का सेवन करना मददगार हो सकता है। नट्स भी हृदय की सेहत को ठीक रखने के लिए बहुत आवश्यक माने जाते हैं। प्रतिदिन एक मुट्ठी अखरोट आपके कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकता है। यह हृदय की धमनियों में सूजन को रोकने और हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में भी आपके लिए सहायक है। अखरोट की ही तरह बादाम को भी डाइट में शामिल करना हार्ट के लिए लाभकारी है। शोधकर्ताओं ने बताया कि आहार में शकरकंद को शामिल करना भी हार्ट के लिए लाभप्रद है। शकरकंद लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स के साथ फाइबर, विटामिन-ए और लाइकोपीन से भी भरपूर होता है। हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने और शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए डाइट में शकरकंद को जरूर शामिल किया जाना चाहिए। हार्ट की समस्याओं को कम करने में विटामिन-सी की भी बड़ी भूमिका रही है। मीठे और रसीले संतरे में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने वाला फाइबर पेक्टिन होता है। इनमें पोटेशियम भी होता है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मददगार है। एक अध्ययन में पाया गया है कि दिन में 100 मिली संतरे का जूस पीना डायस्टोलिक रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है जिससे हृदय स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

हल्का वजन उठाकर भी बन सकेगी बॉडी, अपनाईए ऐसे उपाय

मसल्स गेन/ वजन बढ़ाने के लिए लोग कई तरीके आजमाते हैं। जैसे : वजन बढ़ाने के लिए डाइट लेते हैं। इसके अलावा वजन बढ़ाने के लिए आयुर्वेदिक तरीके अपनाते हैं और मसल्स गेन के लिए डाइट में बदलाव करते हैं। साथ ही जिम जाकर हैवी वेट उठाते हैं आदि।

इसके अलावा कुछ लोग जल्दी वजन बढ़ाने के लिए मास गेनर का प्रयोग करते हैं। हैवी लिफ्ट करने से मसल्स ग्रो करने में मदद मिलती है क्योंकि हैवी लिफ्टिंग से मसल्स में ट्रामा और माइक्रो ट्रॉमा आते हैं। उसके बाद सही न्यूट्रिशन लेने से फूड उनके अंदर जाता है, जिससे मसल्स ग्रो करते हैं।

लेकिन कई लोग हैवी लिफ्ट नहीं करना चाहते और बिना हैवी लिफ्ट किए मसल्स गेन करने का सोचते हैं। क्या यह संभव है? जी हां, यह संभव है। बिना वेट लिफ्टिंग किए भी मसल्स गेन किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए बॉडी वेट एक्सरसाइज के साथ कुछ अन्य तरीके अपनाने होंगे। इनके बारे में आप नीचे जानेंगे...

अपनी गति बदलें

गति बदलने का मतलब यह है कि आप एक्सरसाइज के रेप्स को धीमा करके मसल्स ग्रो करने के प्रोसेस को बढ़ा सकते हैं। रेप्स स्लो लगाने से अधिक तनाव उत्पन्न होगा, जिससे मसल्स अधिक ब्रेक होंगे। जिस तरह हैवी वेट उठाने पर मसल्स पर टेंशन क्रिएट होती है, उसी तरह स्लो रेप्स करने पर भी टेंशन क्रिएट होगी। यदि आप बहुत धीमी गति से चलते हैं, तो मसल्स हाइपरट्रॉफी भी पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए एक रेप्स में 3 सेकेंड तक का समय लें, क्योंकि यह वेटलिफ्टिंग के लिए सबसे अच्छी गति होती है।

पैरेंट्स के लिए रूम डिजाइन करते समय ना करें ये वास्तु मिसटेक्स

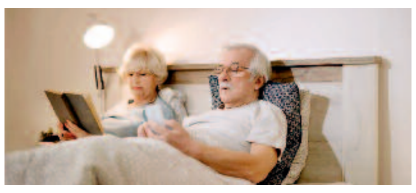

जिस तरह घर में बच्चों के लिए अलग से रूम बनाया जाता है, ठीक उसी तरह पैरेंट्स के लिए भी रूम डिजाइन किया जाता है। हालांकि, पैरेंट्स का रूम डिजाइन करते हुए कुछ छोटी-छोटी वास्तु मिसटेक्स नहीं करनी चाहिए।

कमरे में क्लटरिंग होना

जब भी आप पैरेंट्स के रूम को डिजाइन करें तो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उनके कमरे में बहुत अधिक क्लटरिंग ना हो। आप वहां पर अपने पैरेंट्स की जरूरत के अनुसार फर्नीचर रख सकते हैं, लेकिन बहुत अधिक फर्नीचर रखने से बचें। ऐसा करने से पैरेंट्स को कमरे में चलने में परेशानी हो सकती है और वे असहज महसूस कर सकते हैं। इतना ही नहीं, जब भी आप उनके कमरे में फर्नीचर इस्तेमाल करें तो ध्यान दें कि उसके कोने राउंड हो। शॉर्प कोने वाले फर्नीचर वास्तुशास्त्र में बहुत अच्छे नहीं माने जाते हैं।

दिशा को नजरअंदाज करना

कमरा डिजाइन करने से भी ज्यादा जरूरी होता है उसकी दिशा का ख्याल रखना। अगर पैरेंट्स का कमरा गलत दिशा में बनाया जाता है तो इससे वह अक्सर परेशान रहते हैं या फिर उन्हें नेगेटिव फीलिंग्स आ सकती हैं। कोशिश करें कि पैरेंट्स का कमरा हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में बनाया जाए। अगर आप चाहें तो पैरेंट्स की सुविधा का ध्यान रखते हुए उनके कमरे में अटैच बाथरूमभी बनवा सकते हैं।

बहुत अधिक इलेक्ट्रोनिक आइटम्स इस्तेमाल करना

कोशिश करें कि पैरेंट्स के कमरे में बहुत अधिक इलेक्ट्रोनिक आइटम्स का इस्तेमाल ना किया जाए। दरअसल, इलेक्ट्रोनिक आइटम्स से इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन निकलती है, जो उन्हें नुकसान पहुंचाती हैं। हालांकि, आप उनके कमरे में एक टीवी लगवा सकती है, लेकिन वह टीवी उनके बेड से कम से कम चार से पांच फुट दूर होना चाहिए। जिससे इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन के कारण उन पर कोई नेगेटिव असर ना हो।

खिड़की को नजरअंदाज करना

यूं तो घर में सही तरह से वेंटिलेशन के लिए खिड़की का इस्तेमाल करना जरूरी माना जाता है, लेकिन पैरेंट्स के कमरे में खिड़की होना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पैरेंट्स का कमरा कुछ इस तरह डिजाइन किया जाए कि उन्हें कमरे में धूप व हवा सही तरह से मिले। अगर ऐसा नहीं होता है तो कमरे में नेगेटिविटी बढ़ती है।

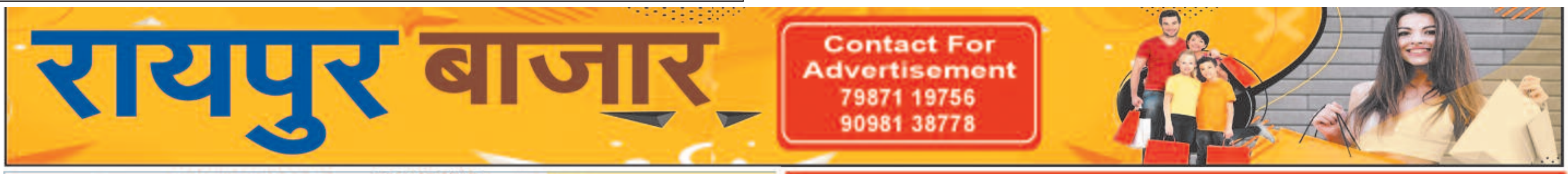

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

धूम मचाएगा 'स्क्विड गेम 3' का ट्रेलर, कई खतरनाक खेलों से भरा होगा आखिरी सीजन

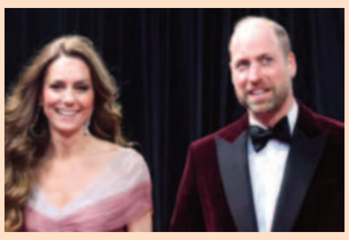

'स्क्विड गेम 2' की सफलता के बाद दर्शक बेसब्री से इस सीरीज के तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। कुछ महीने पहले निर्माताओं ने 'स्क्विड गेम 3' की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया था। 'स्क्विड गेम' को वैश्विक स्तर पर दर्शकों का प्यार मिला है। अब इसका तीसरा और आखिरी सीजन धमाल मचाने के लिए तैयार है। वहीं, अब सीरीज के ट्रेलर पर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। प्रशंसक 'स्क्विड गेम 3' के पहले ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं, जो कथित तौर पर मई में रिलीज होगा। दर्शकों को उम्मीद है कि इसका ट्रेलर सीरीज की तीसरी किस्त के लिए उत्साह बढ़ा देगा। हाल ही में रिलीज की गई पहली झलक वाली तस्वीरों के जरिए यह बताया गया था कि इस सीजन में खेल और भी ज्यादा खतरनाक होंगे।

इस वर्ष की शुरुआत में जारी किए गए एक 17 सेकंड के टीजर वीडियो में नए किरदार चुल-सु को पेश किया गया था। चुल-सू का संकेत पहली बार पोस्ट-क्रेडिट दृश्य में दिया गया था। स्क्विड गेम ने अपनी चौंकाने वाली डायस्टोपियन दुनिया से विश्व स्तर पर दर्शकों का मनोरंजन किया था, जहां प्रतियोगी बच्चों के खेल में भाग लेते हुए सचमुच अपने जीवन के साथ जुआ खेलते हैं। नए खेलों और पहले से कहीं अधिक दांव के साथ सीजन 3 एक दमदार क्लाइमेक्स पेश करेगा। इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है, क्योंकि यह पहली गैर-अंग्रेजी टीवी सीरीज थी, प्राइमटाइम एमी पुरस्कार में नामांकन मिला और इसने अवॉर्ड भी जीता। 'स्क्विड गेम सीजन 3' 27 जून 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

टॉलीवुड

शूटिंग के दौरान ओडिशा की सबसे ऊंची चोटी 'देवमाली' पहुंचे राजामौली

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी 29' ने पहले ही प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है। राजामौली इस फिल्म में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ काम कर रहे हैं। दोनों इस फिल्म के निर्माण में व्यस्त हैं। अब एसएस राजामौली ने फिल्म की शूटिंग के बीच सेट से एक वीडियो साझा किया है।

कुछ दिनों से फिल्म की टीम ओडिशा के जंगल में शूटिंग कर रही थी। फिल्म निर्माता ने ओडिशा के कोरापुट में प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू के साथ शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और यहां तक कि कोरापुट के लोगों के गर्मजोशी भरे मेहमान नवाजी के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया था। शेड्यूल ओडिशा के सुरम्य कोरापुट जिले में आयोजित किया गया था। इस बीच अब राजामौली ने इस यात्रा का वीडियो साझा किया। राजामौली ने एक्स पर ओडिशा की सबसे ऊंची चोटी देवमाली की अपनी सोलो ट्रिप का एक वीडियो साझा किया। राजामौली ने लिखा कि ऊपर से दृश्य बिल्कुल लुभावना था। इस अनोखे निर्देशक ने दुखद स्थिति पर दुख व्यक्त किया, क्योंकि पर्वत शिखर पर ट्रेकर्स द्वारा फेंके गए कचरे से भरा हुआ था। उन्होंने लिखा, 'पथ को कूड़े से भरा हुआ देखना निराशाजनक था। ऐसे प्राचीन चमत्कार बेहतर के हकदार हैं। थोड़ी सी नागरिक भावना बहुत बड़ा बदलाव ला सकती है... हर विजिटर को इन स्थानों की रक्षा करने में मदद करने के लिए अपना कचरा वापस ले जाना चाहिए।' इससे पहले मंगलवार को जब राजामौली ने 'एसएसएमबी 29' के एक्शन से भरपूर शेड्यूल को पूरा किया तो सैकड़ों प्रशंसकों ने स्टार निर्देशक से मुलाकात की और स्थानीय एसएचजी द्वारा बनाए गए विशेष उपहारों के साथ उनका स्वागत किया।

भोजपुरी

प्रिया ने चलाया खेसारी पर जादू, नए गाने 'टुकलिया जान मारता' में दिखी गजब केमिस्ट्री

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव के अभिनय और गानों के फैंस दीवाने हैं। खेसारी भी दर्शकों को निराश नहीं करते और हर गाने में अपने शानदार अंदाज से मनोरंजन करते दिखाई देते हैं। अब वे नया गाना 'टिकुलिया जान मारता' आया है। यह गाना आज शुक्रवार 21 मार्च को रिलीज हुआ है और ट्रेंड कर रहा है।

इस गाने में खेसारी लाल यादव और प्रिया रघुवंशी नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। गाने को खेसारी ने अपनी खूबसूरत आवाज से सजाया है। गाने के लिरिक्स अखिलेश कश्यप ने लिखे हैं। म्यूजिक डायरेक्ट आर्य शर्मा ने किया है। इस गाने को अब तक करीब दो लाख व्यूज मिल चुके हैं। प्रिया रघुवंशी गाने में खेसारी की पत्नी के रोल में नजर आ रही हैं। खेसारी लाल यादव किताब लेकर पढ़ते नजर आ रहे हैं, वहीं प्रिया उन्हें रिझाने की कोशिश कर रही हैं। वहीं, खेसारी पर कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा, वे पूरी तरह से एकाग्र होकर पढ़ाई कर रहे हैं। इस गाने पर यूजर्स की काफी अच्छी प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर लिख रहे हैं, 'गर्दा उड़ा दिया'। कुछ यूजर लिख रहे हैं, 'जोड़ी कमाल है'। हाल ही में खेसारी के गाने 'लोहा गरम' और 'सरसो के तेलवा' रिलीज हुए। यह उनकी फिल्म 'रिश्ते' के गाने हैं, जो होली पर 14 मार्च को रिलीज हुई। दोनों ही गानों में एक्टर आकांक्षा पुरी के साथ रोमांस करते दिखे। इसके अलावा उनका गाना 'चांदी के कटोरे' भी काफी वायरल हुआ।

'अति' का जलवा

2025 में, मैक्सिमलिज़्म यानि अधिकतम एक शानदार वापसी कर रहा है, जिसमें चमकीले रंग, बोल्ड पैटर्न और उदार संयोजनों को शामिल करने वाले डिज़ाइन हैं। यह प्रवृत्ति लोगों को अद्वितीय शैली विकल्पों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो फैशन को व्यक्तित्व के उत्सव में बदल देती है। मैक्सिमलिज़्म का मतलब सिर्फ 'अति' नहीं है बल्कि यह अलग दिखना और परंपराओं को तोड़ना भी है।

बदलते मौसम में शरीर पर हो रही है खुजली तो नहाने के पानी में मिलाएं इन चीजों को

जैसे-जैसे मौसम बदल रहा है, वैसे-वैसे शरीर पर कई तरह के बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस मौसम में बहुत से लोगों की त्वचा पर खुजली की समस्या होने लगती है। वैसे तो इस परेशानी के लिए बाजार में कई तरह के प्रोडक्ट मिल जाते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को बाजार में मिलने वाले इन प्रोडक्ट पर भरोसा नहीं होता। ऐसे में वो घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके इस परेशानी से छुटकारा पाना चाहते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें घरेलू नुस्खों पर भरोसा है तो ये लेख आपके लिए है। इस लेख में हम आपको शरीर की खुजली दूर करने के लिए कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी बिना ज्यादा पैसे खर्च किए इस परेशानी से राहत पा सके। इन नुस्खों को अपनाने के लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। तो चलिए इसके बारे में जानते हैं।

नीम के पत्ते

भारत के हर गली-मोहल्ले में आपको नीम का बड़ा सा पेड़ दिख ही जाएगा। इसकी पत्तियां कई मामलों में काफी मददगार रहती हैं। खासकर अगर बदलते मौसम में आपको खुजली परेशान कर रही है, तो आप नहाने के पानी में नीम की पत्तियां डाल सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

नीम में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में नीम की पत्तियों का इस्तेमाल नहाने के पानी में करने के लिए आपको नीम के पत्तों को पीसकर इसका अर्क निकालना है। अब इस अर्क को आप नहाने के पानी में डाल सकते हैं। कुछ ही दिन में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

सिरका

अगर आपके घर पर सेब का सिरका है, तो भी आप शरीर की खुलजी से राहत पा सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले तत्व कुछ ही दिनों में आपको शरीर की खुजली से राहत दिला सकते हैं।

ऐसे करें इस्तेमाल

सेब का सिरका इस्तेमाल करने के लिए आपको बस नहाने का पानी लेना है और उसमें 2 ढक्कन सेब का सिरका यानी एप्पल साइडर विनेगर डालना है। अब इसे अच्छी तरह से मिलाकर इस पानी से नहाएं।

ऑफिस में है पार्टी तो ऐसे आउटफिट पहनकर दिखाएं अपना जलवा

मौका किसी त्योहार का हो या फिर किसी अन्य फंक्शन का। यह हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन लोग एक-दूसरे से गर्मजोशी से मिलते है और इस दौरान एक दूसरे की स्टाइल और फैशन पर ध्यान तो जाता ही है। त्योहार के दिन हर जगह का माहौल काफी खुशनुमा होता है।

इसी क्रम में कई दफ्तर भी ऐसे होते हैं, जो अपने कर्मचारियों के लिए किसी न किसी बात पर पार्टी का आयोजन करते हैं, ताकि हमेशा काम करने वाले उनके कर्मचारी अपने लिए वक्त निकालकर थोड़ा खुश रह पाएं। ऐसी पार्टियों में दफ्तर का माहौल भी काफी खुशनुमा हो जाता है। इस दिन लोग अपनी पसंद के रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर आते हैं, और एक साथ पार्टी का मजा लेते हैं।

अगर आपके दफ्तर में भी पार्टी है, लेकिन आपको समझ नहीं आ रहा कि पार्टी में क्या पहनें तो आपके लिए कुछ सुझाव है।

शरारा सूट

आजकल इस तरह का शरारा काफी आरामदायक रहता है। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता। ऐसे में आप आसानी से इसे कैरी करके अपना खूबसूरत अंदाज दिखा सकती हैं। इसके साथ हैवी झुमके से अपना लुक कंप्लीट करें।

अंगरखा सूट

ऐसा अंगरखा सूट आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करेगा। इसके साथ अपने बालों में आप पोनीटेल बना सकती हैं। इसके साथ गले में ऑक्सीडाइज नेकपीस पहन सकती हैं।

साड़ी

अगर साड़ी पहनना पसंद तो दफ्तर की पार्टी में साड़ी पहनकर अपना जलवा दिखाएं। अगर आपकी साड़ी सफेद रंग की होगी, तो इसका लुक और भी ज्यादा खूबसूरत दिखेगा।

अच्छी हेयर स्टाइल की समझें अहमियत, जरूर मिलेगी तारीफ

आपको गुड लुक्स देने में आपकी ड्रेस और स्किन केयर रूटीन का भी योगदान होता है। लेकिन इस बात को ये कहकर इग्नोर नहीं किया जा सकता है कि लोग सिर्फ कपड़ों को देखते हैं, स्किन, हेयर केयर या हेयर स्टाइल को नहीं। आपके मन में अगला सवाल पक्का यही आया होगा कि शादी सीजन में कैसे गुड लुकिंग दिखें? गुड लुकिंग दिखने की पहली शर्त आपकी शानदार हेयर स्टाइल है। अच्छी हेयर स्टाइल आपके पूरे लुक्स को ट्रांसफॉर्म कर सकती है।

मीडियम लेंथ बालों के लिए हेयर स्टाइल

अगर आपके बाल मीडियम लेंथ के हैं और उनका टैक्स्चर भी स्मूथ है तो, आप फवाद खान के क्लासिक स्लीक बैक लुक को अपना सकते हैं। ये काफी पुराना लेकिन क्लासिक लुक है जो एथनिक वियर के साथ बेहतरीन तरीके से मिक्स एंड मैच किया जाता रहा है। हालांकि ये आपको पक्का करना होगा कि आपके बाल सही शेप में हों और उनकी केयर अच्छी तरह से की गई हो। अगर आप किसी

खास डेट पर स्पेशल दिखना चाहते हैं तो कम से कम एक महीने पहले से किसी प्रोफेशनल की मदद लेना ठीक रहेगा।

लंबे बालों के लिए हेयर स्टाइल

अगर आपके बाल लंबे हैं, तो आप शाहिद कपूर का स्टाइलिश मॉप लुक आजमा सकते हैं। आपको करना सिर्फ इतना है कि आपको अपनी साइड्स को ट्रिम करना है, सिर के टॉप पर बालों की लेंथ को अच्छा रखना है। आप उन्हें हेयर वैक्स या पोमेड से एक साइड की तरफ कॉम्ब कर सकते हैं, और उसी हिसाब से स्टाइल भी कर सकते हैं।

अपने सिंपल से लुक को स्टाइलिश स्लीव की मदद से बनाएं खूबसूरत

साड़ी हो या सूट कभी-कभी इनके बोरिंग स्टाइल हमें अच्छे नहीं लगते, तो कभी ट्रेंड में रहने वाले स्टाइल जैसे- टिप नेक, वन-स्ट्रिप ब्लाउज को पहनने का माहौल नहीं होता। ऐसे में आप केवल अपनी ड्रेस की स्लीव्स को स्टाइलिश बनाकर एक आकर्षक लुक पा सकती हैं, क्योंकि स्लीव्स अगर थोड़ा ट्रेंडी हों तो पूरा लुक नया हो जाता है। आप इन्हें अपने बड़ों और रिश्तेदारों के सामने या पूजा-पाठ में भी आराम से पहन सकती हैं।

बलून स्लीव्स

इसकी स्लीव फ्री स्टाइल होती है, जो लास्ट में फिटेड बेल्ट से कंप्लीट हो जाती है। अगर आपके हाथ पतले हैं तो यह आपके लिए ही है। वैसे तो यह हर फैब्रिक पर

चल जाती है, लेकिन ऑर्गेंजा फैब्रिक में यह एकदम क्लासी लुक देती है।

फिट एंड फ्लेयर

वेलवेट सूट में इस तरह की स्लीव्स बहुत सुंदर लगती हैं। इन्हें आप शादियों में पहन सकती हैं। इसे कोहनियों तक फिट किया जाता है और फिर एक फ्लेयर पैटर्न होता है।

कॉउल और प्लीटेड

अगर आप एथनिक स्टाइल में मॉडर्न लुक पाना चाहती हैं तो आपके लिए यह स्लीव स्टाइल बेस्ट है। इस पैटर्न में स्लीव्स प्लेटेड और लास्ट में फिटेड बेल्ट लगी होती है। मोटे बाजू वाली महिलाएं शिफॉन या जॉर्जेट जैसे हल्के फैब्रिक में इस तरह की स्लीव्स बनवाएं तो बहुत सुंदर लगती हैं।

सिंगल स्ट्रिप

इस तरह की स्लीव्स सदाबहार हैं। ये सिंगल स्ट्रिप स्लीव्स होती हैं, इसलिए इनमें बाजू पूरी खुली रहती हैं। ये सूट, साड़ी और आपके एथनिक टॉप पर खूब फबती हैं।

कार्नर न्यूज

लड़कों को अपनी स्टाइल का पूरा ध्यान रखना चाहिए, लोग करेंगे तारीफ

इस मौसम में टीशर्ट पहनते वक्त जरूर रखें इन बातों का ध्यान, तभी मिलेगा परफेक्ट लुक

जिस तरह से लड़कियां अपने कपड़े से लेकर ज्वेलरी तक का खास ध्यान रखती हैं, ठीक उसी तरह से लड़के भी आजकल अपने स्टाइल का काफी ध्यान रखते हैं। ऑफिस से लेकर घूमने जाने तक के लिए वह स्टाइलिश कपड़े पहनना पसंद करते हैं। इसके लिए कई बार लड़के बॉलीवुड सेलिब्रिटी से भी टिप्स लेते हैं, पर कई बार ऐसा होता है कि टिप्स लेने के बाद भी लड़के कपड़ों को सही से कैरी नहीं कर पाते। खास तौर पर आज के मौसम में जबकि गर्मी पूरी तरह से आई नहीं है, ऐसे में आपको हल्के-फुल्के टी-शर्ट खूब जचेंगे। टी-शर्ट पहनना काफी आसान है लेकिन फिर भी इसे पहनते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। अगर आप टी-शर्ट पहनते समय कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो आपका लुक किसी हीरो से काम नहीं लगेगा। तो चलिए बिना देर करते हुए इन टिप्स के बारे में आपको बताते हैं।

सही हो फिटिंग

अगर आप पोलो टीशर्ट पहन रहे हैं,

तो ध्यान रखें कि उसकी फिटिंग सही हो। अगर टीशर्ट ज्यादा ढीली होगी तो ये देखने में अजीब होगी, वहीं ज्यादा टाइट टीशर्ट आपके लुक को बिगाड़ सकती है। इसे पहनने से शरीर का आकार भी अजीब दिखता है।

कॉलर करें सही से सेट

एक समय था जब ज्यादातर लड़के टीशर्ट के कॉलर को खड़ा रखते थे, लेकिन अब वक्त बदल गया है। आज के समय टीशर्ट का कॉलर सही से सेट किया हुआ ही अच्छा लगता है।

बटन रखें बंद

टीशर्ट का परफेक्ट लुक पाने के लिए सिर्फ सबसे ऊपर वाला बटन खोल कर रखें। अगर आप सारे बटन खोलकर रखेंगे, तो ये देखने में काफी अजीब लगता है। खासतौर पर अगर आप दफ्तर जा रहे हैं, तो बटन का खास ध्यान रखें।

टक इन करें या नहीं

अगर आपका पेट निकला हुआ है, तो कभी टीशर्ट को टकइन न करें। इससे पेट और अजीब दिखेगा। वहीं अगर आप एकदम फिट हैं, तो अपनी पसंद के हिसाब के टीशर्ट को टकइन कर सकते हैं।

पॉकेट वाली टीशर्ट से रहें दूर

ज्यादातर टीशर्ट पर आगे की तरफ एक साइड पॉकेट लगी होती है। भले ही ये देखने में अच्छी लगती हो, लेकिन अगर आप इसे पहनेंगे तो आपका लुक खराब दिख सकता हैं।